बर्षः- 05
अंकः- 260
मुरादाबाद
(Sunday)
11 January 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी बोले- हिंदू समाज को तोड़ने वालों के मुंह पर बांग्लादेश के नाम पर लगा टेप

प्रयागराज पहुंचे सीएम योगी ने संगम में डुबकी लगाई। जेटी से त्रिवेणी पहुंचे मुख्यमंत्री ने स्नान के बाद विधिवत पूजन अर्चन किया। इसके बाद उन्होने संगम तट पर खाक चौक व्यवस्था समिति की ओर से संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा के आश्रम में स्वामी रामानंदाचार्य जी महाराज की 726 वें प्राकट्योत्सव पर आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। योगी ने पीएम मोदी को युग पुरुष बताया वहीं कांग्रेस को सनातन धर्म का विरोधी करार दिया। योगी ने कहा कि रामानंदाचार्य जी ने काफी समय प्रयागराज में बिताया। उनके स्थान का पता किया जा रहा है। उसका सुंदरीकरण और जीर्णोद्धार कराकर भव्य रूप दिया जाएगा। धर्मनिर्पेक्षता के नाम का ठेका लेकर चलने वाले लोग जिन्होंने हिंदू समाज को तोड़ने में पूरी ताकत दी, उनके मुंह बांग्लादेश के नाम पर बंद हैं। ऐसा लगता है कि उनके मुंह पर किसी ने फेवीकोल या टेप लगा दिया है। विपक्ष पर हमलावर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को माघ मेला स्थित खाक चौक के शिविर में आयोजित जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज के 726वें प्राकट्य उत्सव में यह बातें कहीं। रामानांदाचार्य जी महाराज के मूल मंत्र 'जात-पात पूछे ना कोई, हरि को भजे सो हरि का होई' को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जाति व धर्म के आधार पर विभाजन उसी तरह सर्वनाश का कारण बन जाएगा, जैसा कि बांग्लादेश में हो रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि मत व संप्रदाय के आधार पर मत बंटो। भगवान रामानंदाचार्य जी हैं जिन्होंने एक नहीं द्वादश शिष्य बनाए और अलग-अलग जाति के बनाए।समाज को तोड़ने वालों को पनपने न दें साधु-संत- योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह आज भी देखते हैं कि रामानंदाचार्य परंपरा से निकलीं अलग-अलग धाराएं समाज को अब भी जोड़ने का काम करती हैं। उन्होंने साधु-संतों से कहा कि यह आपका दायित्व है कि बांटने व तोड़ने वालों को कभी पनपने न दें। कमजोर करने वालों को किसी भी स्थिति में आगे नहीं बढ़ने देना है। अगर हम एकजुट होकर ऐसे ही आगे बढ़ते रहे तो आने वाला समय सनातन धर्म का हो जाएगा। तब बांग्लादेश में कोई निरीह व दलित हिंदू को काटने का काम नहीं कर पाएगा।सीएम योगी ने कांग्रेस पर निशाना साधा मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जो लोग आज भी आपको बांट रहे हैं वे आपके हितैषी नहीं हो सकते। जब सत्ता में थे तो स्वयं अपने परिवार के बारे में सोचते थे। उससे बाहर उनकी दृष्टि नहीं थी। ये नारे देंगे, स्लोगन देंगे लेकिन जब भी मौका मिलेगा, यह वही करंगे जो पहले किया था। पहचान का संकट होगा, दंगों की आड़ में लोगों को झुलसाने का काम करेंगे। हमें इसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी देनी चाहिए। कार्यक्रम में परमार्थ निकेतन आश्रम के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, श्री बाघंबरी पीठ और श्री बड़े हनुमान मंदिर के महंत बलवीर गिरि जी महाराज, सतुआ बाबा पीठ काशी के पीठाधीश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, निर्मोही अखाड़े के राजेंद्र दास जी समेत कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सांसद प्रवीण पटेल, महापौर गणेश केसरवानी, विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह, हर्षवर्धन बाजपेयी, दीपक पटेल, केपी सिंह समेत तमाम लोग मौजूद रहे। रामानंदाचार्य के आश्रम का जीर्णोद्धार कराएगी योगी सरकार- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वामी रामानंदाचार्य ने काफी समय प्रयागराज में व्यतीत किया था। पता चला है कि दारागंज इलाके में कहीं पर उनका स्थान रहा है। सरकार उस स्थान का पता लगा रही है। इसके बाद रामानंदाचार्य के स्थान का जीर्णोद्धा और सुंदरीकरण कराकर उसको भव्य रूप प्रदान किया जाएगा। जाति-पाति पूछे नहीं कोई हरि को भे जो हरि का होई, यह अलख स्वामी रामानंदाचार्य ने प्रयागराज में ही जगाई थी। स्वामी रामानंदाचार्य भारत के महान संत, समाज-सुधारक और भक्ति आंदोलन के प्रमुख आचार्य थे। उन्होंने उत्तर भारत में रामभक्ति को जन-जन तक पहुंचाया और भक्ति को जाति-भेद से मुक्त किया। उनका जन्म लगभग 14वीं शताब्दी में माना जाता है। वे वैष्णव संप्रदाय रामानुजाचार्य की परंपरा से जुड़े थे।वह भगवान राम में भक्ति में लीन रहते थे। उन्होंने प्रयागराज में काफी समय व्यतीत किया। उनका मुख्य स्थान काशी था। स्वामी रामानंदाचार्य जी का मानना था कि भक्ति का मार्ग सबके लिए है। रामानंदाचार्य ने कहा कि ईश्वर-भक्ति पर किसी जाति, वर्ग या लिंग का बंधन नहीं होना चाहिए। कोई भी व्यक्ति रामभक्ति कर सकता है। जाति-पाति पूछे नहीं कोई जो हरि को भजे वह हरि का होई। उन्होंने संस्कृत के बजाय आम जनता की भाषा (अवधी/हिंदी) में उपदेश दिए ताकि हर व्यक्ति समझ सके। उन्होंने पूरे जीवन काल में श्री राम नाम का प्रचार प्रसार किया। उनका मानना था कि नाम के जप और भक्ति को मोक्ष का सरल मार्ग है। उन्होंने ऊंच-नीच और छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया। कबीरदास, रैदास (रविदास), धन्ना, सेन नाई और पीपा जैसा महान संत उनके शिष्य माने जाते हैं। इन संतों ने आगे चलकर भक्ति आंदोलन को पूरे भारत में फैलाया।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव आते ही ईडी को याद आते हैं दस्तावेज, कपिल सिब्बल बोले- विपक्ष को डराने का औजार बनी एजेंसी

ईडी की कार्रवाई को लेकर जहां एक ओर पश्चिम बंगाल की राजनीति में गर्माहट तेज है। वहीं दूसरी ओर अब राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने ईडी की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय ही जांच एजेंसियां सक्रिय होती हैं और इसका मकसद विपक्षी नेताओं को परेशान करना है।पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्रवाई को लेकर राज्य से लेकर देशभर की राजनीति में गर्माहट तेज है। इसी बीच इस कार्रवाई को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही जांच एजेंसियों को अचानक दस्तावेजों की याद आ जाती है और इसका मकसद सिर्फ विपक्षी नेताओं को परेशान करना होता है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान सिब्बल ने पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई का मामला उठाया।उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जहां भाजपा चुनाव नहीं जीत सकती, वहां ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को परेशान करने के लिए ईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है। जांच करनी है तो उससे जुड़ी फाइलें लें, लेकिन हर फाइल ले जाना किस अधिकार में है? किसी भी जांच एजेंसी को ऐसा करने का हक नहीं है।कपिल सिब्बल ने ईडी को एक सर्वव्यापी एजेंसी की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कानून लागू करना नहीं, बल्कि विपक्षी नेताओं को डराना और परेशान करना है।

बिना सुनवाई कोई आदेश न हो;ईडी रेड के खिलाफ ममता सरकार ने शीर्ष अदालत में दाखिल किया कैविएट

बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल किया है ताकि आई-पैक पर ईडी छापे मामले में बिना सुनवाई कोई आदेश न हो। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईडी पर कार्यक्षेत्र से बाहर कदम उठाने का आरोप लगाया।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच आई-पैक मामले को लेकर कानूनी टकराव तेज हो गया है। ममता बनर्जी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर दिया है। इस कैविएट में बंगाल सरकार ने अनुरोध किया है कि सुप्रीम कोर्ट कोई आदेश पारित करने से पहले उसका पक्ष सुने।सूत्रों के मुताबिक, ईडी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट जाने की संभावना पर विचार कर रही है। एजेंसी मौजूदा कानूनी विकल्पों को अंतिम रूप देने से पहले सभी संभावनाओं पर गौर कर रही है। बता दें कि कैविएट उन मामलों में दाखिल किया जाता है ताकि अदालत किसी पक्ष की सुनवाई के बिना कोई निर्णय न ले सके।गुरुवार को ईडी ने कोयला तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आई-पैक के कोलकाता स्थित ऑफिस और इसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की। इस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मौके पर पहुंच गईं और एजेंसी का दावा है कि इस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तलाशी स्थलों पर प्रवेश कर महत्वपूर्ण साक्ष्य, जैसे दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, अपने कब्जे में ले लिए। ईडी और टीएमसी ने इस मामले में एक-दूसरे के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज कराई है।वहीं सीएम ममता बनर्जी ने इसके बाद ईडी पर अधिकारी क्षेत्र से बाहर कदम उठाने का आरोप लगाया। ईडी ने कोलकाता उच्च न्यायालय में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ CBI जांच की मांग की, यह आरोप लगाते हुए कि उन्होंने पुलिस की मदद से जैन के घर से एजेंसी के कब्जे में मौजूद साक्ष्यों को हटा लिया। ञ्जरूष्ट का आरोप- चुनावी रणनीति पर हमला टीएमसी का आरोप है कि ईडी का उद्देश्य भ्रष्टाचार की जांच नहीं बल्कि चुनावी रणनीति और गोपनीय डेटा चुराना है। ममता बनर्जी ने कहा कि ईडी अधिकारी सुबह 6 बजे पहुंचे, जबकि वह 11-45 बजे मौके पर आईं।

मैं बता दूं कि कोई न कोई साजिश चल रही PDA का वोट काटने की, वोटों को आधार से जोड़ा जाए;अखिलेश की मांग

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में भाजपा सरकार का जीरो टॉलरेंस का वादा नाकाम रहा। प्रदेश में महिला अपराध, साइबर क्राइम और भ्रष्टाचार बढ़ रहे हैं। अखिलेश यादव ने लखनऊ में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा, ये जो स्ढ्ढक्र का काम चल रहा है, किसी भी पार्टी ने इसका विरोध नहीं किया। मैं बता दूं कि कोई न कोई साजिश चल रही है। क्क्ष्ठ समाज का वोट काटने की और अपना वोट बढ़ाने की। जब एक प्रतिष्ठित अखबार में ये बात सामने कि सरकार ने ये निर्देश दिए हैं कि हर बूथ में 200 वोट बढ़ाए जाएं, तब ये शक और भी गहरा हो जाता है।मेरी मांग कि सभी वोटों को आधार से जोड़ा जाए। यूपी में क्क्र के बनाए गए आंकड़े पंचायत चुनाव की लिस्ट में अलग हैं, जबकि विधानसभा की लिस्ट में अलग हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे। इसके लिए हमने एक प्रारूप तैयार कर लिया है। हम चुनाव आयोग से जांच की मांग करेंगे। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट सामने आई... अखिलेश यादव ने कहा, जैसे ही ड्राफ्ट वोटर लिस्ट सामने आई, वैसे ही मेरी आशंकाएं सच साबित होती दिख रही हैं। मुझे करीब तीन करोड़ वोट काटे जाने की आशंका थी। प्रक्रिया के दौरान ही खुद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने पहले ही चार करोड़ वोट काटे जाने की बात सार्वजनिक मंचों पर कही थी। किसी को यह जानकारी नहीं थी कि कितने वोट हटाए जाएंगे अखिलेश यादव ने कहा, जब वोटर लिस्ट अभी आई भी नहीं थी और किसी को यह जानकारी नहीं थी कि कितने वोट हटाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और अधिकारियों के बीच यह बात कही कि करीब चार करोड़ वोट काटे जाएंगे। यह बयान रिकॉर्ड में है। कई लोगों ने सुना भी है। जब पहले से यह आंकड़ा तय कर लिया गया था, तो यह पूरी प्रक्रिया कितनी निष्पक्ष है। यूपी में जीरो टॉलरेंस का वादा जीरो - वहीं, शुक्रवार को सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा था कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। प्रदेश में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है। महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। इस सरकार का जीरो टॉलरेंस का वादा जीरो हो चुका है। मेरठ में मां पर कातिलाना हमला और बेटी को उठाकर ले जाने का मामला बेहद गंभीर है। महिला अपराध और साइबर क्राइम में उत्तर प्रदेश सबसे ऊपर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रोज 5 महिलाएं हिंसा का शिकार हो रही हैं। हर 15 दिन में दुष्कर्म की शर्मनाक घटनाएं हो रही है। महिला सुरक्षा के झूठे दावे करने वाले मुख्यमंत्री को प्रदेश की जनता 2027 में सत्ता से बाहर कर देगी। भाजपा सरकार में तमाम तरह के अपराध पनप रहे हैं। जिस कफ सिरप मामले को पहले लोग स्थानीय अपराध समझ रहे थे, वो अब अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्राइम निकल रहा है। उत्तर प्रदेश में माफिया राज खत्म नहीं हुआ है, बल्कि आगे बढ़ रहा है।

एक दिन हिजाब पहनी बेटी बनेगी देश की पीएम, पाकिस्तान का जिक्र कर ओवैसी का बड़ा बयान

सोलापुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि एक दिन ऐसा आएगा, जब हिजाब पहनी बेटी इस देश की प्रधानमंत्री बनेगी।

इसी के साथ ओवैसी ने पाकिस्तान को भी उसके संविधान के लिए घेरा। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव के प्रचार के बीच सोलापुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान को घेरते हुए देश के प्रधानमंत्री पद को लेकर बड़ा बयान दिया है। ओवैसी ने कहा कि एक दिन ऐसा आएगा, जब हिजाब पहनी बेटी इस देश की प्रधानमंत्री बनेगी। इसी के साथ ओवैसी ने पाकिस्तान को उसके संविधान के लिए भी घेरा, जो किसी और धर्म के व्यक्ति को देश का प्रधानमंत्री बनने का इजाजत नहीं देता। मेरा सपना है कि एक दिन...% ओवैसी ने क्या कहा?- अपने बयान में असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान का संविधान साफ तौर पर कहता है कि सिर्फ एक धर्म का व्यक्ति ही देश का प्रधानमंत्री बन सकता है। लेकिन बाबा साहेब का संविधान कहता है कि भारत का कोई भी नागरिक प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मेयर बन सकता है। मेरा सपना है कि एक दिन ऐसा आएगा, जब हिजाब पहनी हुई बेटी इस देश की प्रधानमंत्री बनेगी।देश में फैली नफरत भी खत्म हो जाएगी- ओवैसी हिजाब पहनी बेटी के प्रधानमंत्री बनने के सपने पर ओवैसी ने आगे कहा कि हो सकता है कि हम उस वक्त ना रहे, यहां बैठे लोग उस समय ना रहे, लेकिन देखना कि एक दिन ऐसा जरूर आएगा, जब हिजाब पहने हुए बेटी देश की प्रधानमंत्री बनेगी। इसी के साथ ओवैसी ने कहा कि देश में मुस्लमानों के खिलाफ नफरत फैलाई जा रही है। वो भी जल्द खत्म हो जाएगी। यहां तक की नफरत फैलाने वाले भी खुद खत्म हो जाएंगे। बता दें कि एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी इन दिनों निकाय चुनाव की सरगर्मियों के बीच महाराष्ट्र में सक्रिय हैं और पार्टी के उम्मीदवारों के लिए जमकर प्रचार कर रह हैं। इस दौरान वो महायुति गठबंधन के साथ अजित पवार और कांग्रेस पर जमकर हमलावर हैं।

संपादकीय Editorial

The Prime Minister's grave will be dug!

Jawaharlal Nehru University (JNU) in the capital Delhi is a hotbed of hatred, violence, and pseudo-leftism, where, year after year, young generations of students are being poisoned and made anti-national. Unfortunately, terrorists Afzal Guru, Umar Khalid, and Sharjeel Imam are these students' "idols." They harbor a deep anguish for Pakistan and desecrate the statue of Swami Vivekananda. They call Parliament a sham and, consequently, protest against the abrogation of Article 370. Now, a group of these same students is raising slogans to dig the graves of the country's elected Prime Minister and Home Minister. The graves of Prime Minister Modi and Home Minister Amit Shah will be dug on the "red soil" of JNU, on the land of "red walls," and these students will chant "Lal Salaam." Why should the Prime Minister's grave be dug? Congress leaders also raised similar slogans. What was the fate of those crimes? The country still wants to know. What crime have the Prime Minister and Home Minister committed against the students of JNU? The Indian government is providing crores of rupees in annual grants to a university that fosters pseudo-leftism and anti-national tendencies. The Left has become irrelevant in the rest of the country. Few remnants of it remain, but it still lives on as a fashion among a section of students. What an irony and contradiction is this? "The grave will be dug" is not even part of any ideological battle or struggle. The Constitution gives us all the right to oppose the policies, programs, politics, and ideology of the Prime Minister and his government. We can launch movements. But shouting slogans of "The grave will be dug" for the person whom the country's democracy has elected with a majority as Prime Minister, and who has chosen an elected MP as Home Minister, and protesting by clapping to the beat of the drum, is a "democratic joke." It is an insult to the executive head of the country, and therefore, it is unconstitutional and unacceptable. Such "red-hot" students should be expelled from the university and permanently blacklisted. Even if their academic careers are ruined, that shouldn't matter, because this incited, incited, and unruly group hasn't come to the university to study. They are raising provocative slogans to dig the graves of the country's Prime Minister and Home Minister because the Supreme Court has denied bail to Umar Khalid and Sharjeel Imam. Instead, it has deemed them "central accused" in the conspiracy of the 2020 Delhi riots. They will not be able to reapply for bail for the next one year. The Delhi riots resulted in 53 innocent deaths, 581 injuries, and over 1,200 homes and shops burned or destroyed. This was no ordinary crime. Umar and Sharjeel were also members of the anti-national group at JNU. They were close friends with Kanhaiya Kumar, who is now Rahul Gandhi's "favorite leader" in the Congress party. Shortly after the hanging of terrorist Afzal Guru, during Modi's tenure as Prime Minister, highly treasonous slogans were raised at JNU: "Bharat tere tukde honge, Insha Allah..." Slogans of "freedom, freedom" were also raised. After all, from whom do we want freedom? The country is independent, and therefore, the fundamental right to freedom of expression is guaranteed. However, "The Prime Minister's grave will be dug" is not freedom of expression in any sense. This is a blatant insult and a violation of the law. Therefore, raising such slogans on Monday night, January 5, on the JNU campus, outside the Sabarmati Hostel, is also against the university's code of conduct. However, based on the request of the JNU administration and the identification of the rioters, an FIR.

Bangladesh is headed for Pakistan, fueled by Islamic fundamentalism and hatred towards India.

As the situation in Bangladesh deteriorates, it becomes clear that the interim government there is intent on worsening relations with India rather than improving them. It cares neither about the killings of Hindus in Bangladesh nor about the growing unbridledness of anti-India elements. Instead of reining in these elements, it is emboldening them. As the situation in Bangladesh deteriorates, it becomes clear that the interim government there is intent on worsening relations with India rather than improving them. It cares neither about the killings of Hindus in Bangladesh nor about the growing unbridledness of anti-India elements. Instead of reining in these elements, it is emboldening them. To foster an anti-India atmosphere in Bangladesh, Bangladesh is on the one hand reluctant to send its cricket team to the T20 World Cup being held in India, while on the other, it is strengthening its ties with Pakistan. The current situation in Bangladesh is also a result of our own mistakes. We made a similar mistake when Pakistan tried to annex Kashmir. We considered Kashmir merely a political issue and sought a political solution. The consequences are well known. We did not learn any lessons, and in 1971, India fought a war with the Pakistani army to stop the genocide of Bengali-speaking Muslims and Hindu minorities in East Pakistan and to liberate Bangladesh. By the time India joined the Bangladesh Liberation War, the Pakistani army had massacred 2.5 million Bengali-speaking Muslims and Hindus, and millions of women had been raped. The Pakistani army was operating rape camps to convert Bengali Muslims. The Bangladesh government later had to launch an international adoption program to rehabilitate thousands of children born in these camps. These brutal atrocities ceased after the sacrifice of nearly 4,000 Indian soldiers, leading to the creation of Bangladesh. However, we neither punished a single Pakistani soldier or officer responsible for these atrocities, nor did we do anything to eliminate the local Jamaati Razakars who supported the Pakistani army in these massacres and atrocities. India assumed that after suffering these horrific atrocities at the hands of the Pakistani army and Jamaatis, the Muslims of Bangladesh would never again follow the path of Islamic fundamentalism or consider joining forces with Pakistan. Based on this miscalculation, India created an entire new country for Bengali Muslims, but once again left the Hindus and Buddhists living there at the mercy of the local Muslim community. Indian policymakers forgot that in 1946, Bengali Muslims, supporting the Muslim League, played a leading role in Jinnah's Direct Action and carried out the massacre of Hindus in Noakhali. Most of the leaders and military officers who fought for Bangladesh's independence had served in the Muslim League and the Pakistani army. India trusted the leaders and army of Bangladesh, the newly formed country after its separation from Pakistan, so much so that it even left strategically important areas like the Chittagong Hill Tracts under Bangladesh's control. Even though the Chittagong Hill Tracts should have been part of India in the 1947 partition, Bengal was divided as part of the India-Pakistan partition, and the Chittagong Hill Tracts were not part of Bengal at that time. Nor was it Muslim-majority, which would have been given to Pakistan. This was why the people there believed that their accession to India was certain, and the tricolor was hoisted there on August 15, 1947. However, the Bengal Boundary Commission unexpectedly handed over the Chittagong Hill Tracts to Pakistan on August 17, 1947, and the Pakistani army removed the tricolor from there. After the 1971 victory, India could have taken back the Chittagong Hill Tracts, but it did not do so because it wanted to show that it had only helped Bangladesh on humanitarian grounds. Whereas, there is only a 28-kilometer strip between Chittagong and Tripura, which, if India had control over, could have provided India with a seashore and fostered economic development in the Northeast. Furthermore, China and the United States could have been prevented from gaining a foothold in the Bay of Bengal, and millions of Buddhists and Hindus could have been protected. The current situation in Bangladesh clearly shows that Islamic fundamentalism and hatred towards India dominate its society just as it does Pakistan. India has forgotten both India's gratitude and sacrifice. Therefore, Indian policymakers should stop treating the current Bangladesh crisis like the political crises that arose in the past, such as the assassinations of Sheikh Mujibur Rahman and Ziaur Rahman. Those were ultimately political crises despite the violence, but this time it is not. Bangladeshi society has been extensively jihadized, and if we ignore this fact and attempt to address it as a political issue, we will regret it, just as we have in the case of Kashmir. No matter which party we support in Bangladesh, radical groups will continue to dominate its streets and neighborhoods, and no matter which party comes to power, it will be powerless in the face of them. Consequently, it would not be surprising if the threat to Bangladesh's Hindus and other minorities increases in the future. Given this threat, we must take action there. We should focus on strengthening our position in the Hindu and Buddhist enclaves near our borders and within our reach. We should learn from Israel, which expands its territory after every military victory or crisis, so as to establish new Jewish enclaves and expand its strategic sphere of influence.

Hindi holds infinite potential and is poised to become a global language.

World Hindi Day is an opportunity to reflect on Hindi's historical perspective, current status, and future prospects. This year marks the 50th anniversary of the first World Hindi Conference, which laid the foundation for Hindi's global promotion. India's economic progress, globalization, and the entertainment industry have propelled Hindi toward becoming a global language. Together with technology, Hindi is enhancing its international potential. January 10th, as "World Hindi Day," fills Hindi lovers with enthusiasm. This day also provides us with an opportunity to reflect on the Hindi language's historical perspective, its current status, and future prospects. This year's "World Hindi Day" is historic for us, as it marks the 50th anniversary of the first World Hindi Conference held in Nagpur. The first World Hindi Conference, held in Nagpur on January 10th, 1975, was a significant effort to promote Hindi globally, with the motto "Vasudhaiva Kutumbakam." 122 delegates from 30 countries participated in it. That conference ignited a desire among Indians living in India and abroad to establish their linguistic and cultural identity on a global stage. They were awakened to the resolve to promote Hindi not only nationally but also globally. Hindi holds significance not only from a national and cultural perspective, but also from a global perspective. Numerous foreign scholars have also contributed to Hindi. In this regard, Father Kamil Bulke of Belgium, Abhimanyu Anant of Mauritius, Professor Kyuya Doi of Japan, Lothar Lutze of Germany, Yevgeny Petrovich Chelishchev of Moscow, Indra Dasnayak of Sri Lanka, Ronald Stuart McGregor of New Zealand, and Imre Bandha of Hungary can be counted. Language is a valuable achievement of any nation's culture. It is such a part of our sensibility and self-awareness that if it is severed from us, our very existence is endangered. Every language casts a magical circle around its speakers. This magical circle is, in fact, the very perimeter of language, within which our identity remains secure, as language lives on as a group's cultural symbols. Today, Hindi's global presence has proven that the business of word creation is full of endless possibilities. New commercial and socio-cultural contexts of demand for Hindi are emerging globally. Indians living across the world are constantly striving to maintain the self-respect of Hindi. They are well aware that every language has socio-cultural sources of structure. Therefore, language connects us to our history, myths, and traditions. This connection becomes extremely valuable by becoming a collective identity. Thus, a global understanding of Hindi is being formed. Seeing India's rapid economic progress, linguists predict that in the future, Hindi will be among the top ten languages ??of international communication. It will prove its strength in the global landscape of knowledge, science, high technology, and innovation. The circumstances arising from globalization have also strengthened Hindi's position as a world language. In a consumerist culture, the market has become the benchmark for the power and strength of language. Today, language accepts or rejects the game of control and determination based on the parameters of prosperity. India's changing cultural and economic environment has encouraged multinational companies to use Indianness as an effective marketing tool to promote their products. They have begun to invoke Indian beliefs, traditions, and images in advertisements. These days, Indian cultural symbols are being widely used in advertisements. Advertisers are using Hindi and Indian languages ??to awaken India's national pride. The entertainment industry has also expanded Hindi's global horizons unprecedentedly. Hindi is spreading to countries around the world through Hindi films. Every language changes according to the circumstances and inspirations of its era. Today, in the era of 'technological dominance,' technology is invigorating Hindi. A new form of Hindi is also emerging from words from regional languages ??and colloquialisms. Through many such developmental stages, Hindi is establishing its international potential. The development of Hindi's international potential is also a demand of the global village and global humanity, driven by the needs of the market. Crossing the stages of official language, contact language, and common language, Hindi is moving towards becoming a global language. In the age of high technology, riding the chariot of the communication revolution, it is introducing the world to its power through the media. Today, the need is to understand the significance of its solid social and cultural psyche, its generosity, and its structural uniqueness, and to explore its infinite possibilities for expansion. Join the development of Hindi with the belief that Hindi, with its energy, can enhance the country's pride on the world stage by adapting to the digital revolution.

चेहरा खोल दो, तुमने क्या काम किया है सबको..., प्रेमी और भाई से कराया पति का कत्ल; रंजीत और नेहा का अफेयर

यूपी के संभल जिले में अवैध संबंधों में एक और पति मारा गया है। पत्नी ने अपने प्रेमी और भाई से पति की हत्या कराई थी। पति सनी प्रेम संबंध में आड़े आ रहा था। सनी शराब पीकर पत्नी के साथ मारपीट करता था।उत्तर प्रदेश के संभल जिले से एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। हाथरस के युवक सनी की हत्या उसकी पत्नी नेहा ने अपने प्रेमी रंजीत और भाई अरुण से कराई थी। हत्या करने के बाद दोनों आरोपी उसकी लाश को संभल के जुनावाई थाना इलाके के दुबारी खुर्द -पूरन पट्टी मार्ग पर फेंक कर भाग गए थे। शुक्रवार को पुलिस ने नेहा, अरुण और प्रेमी रंजीत को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा कर दिया। जिसमें पुलिस ने दावा किया है कि नेहा और रंजीत के प्रेम संबंधों में सनी बाधा बन रहा था और शराब पीकर नेहा के साथ आए दिन मारपीट करता था। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि दो जनवरी को जुनावाई थाना क्षेत्र के दुबारी खुर्द -पूरन पट्टी मार्ग पर एक युवक का शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई थी। मंगलवार को हाथरस जनपद के हाथरस गेट थाना क्षेत्र के मोहल्ला औड़पुरा निवासी नेहा ने मृतक की पहचान अपने पति सनी (22) के रूप की थी।18 जून 2018 को हुई थी सनी और नेहा की शादी-

इस हत्याकांड के खुलासे के लिए अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा के निर्देशन में थाना प्रभारी अखिलेश प्रधान के नेतृत्व में टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान शक की सुई सनी की पत्नी की ओर गई तो गांव में जाकर टीम ने गहनता से जांच की। सनी के बड़े भाई महादेव ने पुलिस को बताया कि सनी की शादी 18 जून 2018 को कासगंज जिले के नीवरी निवासी नेहा के साथ हुई थी।चार साल पहले रंजीत से नेहा का अफेयर- चार साल पहले सनी चोरी के मामले में जेल गया था। इसी बीच नेहा के संभल के जुनावाई थाना इलाके के सैमला करनपुर निवासी रंजीत से प्रेम संबंध हो गए थे। इसके बाद नेहा रंजीत के साथ चली गई थी। जेल से आने के बाद सनी ने नेहा के मायके वालों को परेशान किया तो नेहा वापस आ गई। भाई और प्रेमी के साथ पति को मारने का बनाया था प्लान- पुलिस ने इस मामले में नेहा और उसके प्रेमी रंजीत और नेहा के भाई अरुण को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर नेहा ने बताया कि प्रेम संबंधों की जानकारी होने के बाद से सनी उसके साथ मारपीट करता था। उसने अपने भाई अरुण और प्रेमी रंजीत के साथ मिलकर उसको मारने की योजना बना ली थी। एक जनवरी को पति को कासगंज बुलाया- 30 दिसंबर को नेहा ने रंजीत को कासगंज बुला लिया। नेहा उस दिन कासगंज के पटियाली गई हुई थी।

31 दिसंबर को नेहा के घर पर योजना बनी। योजना के तहत तीनों ने मिलकर एक जनवरी को सनी को अपने घर कासगंज बुलाया। उसी दिन तीन बजे नेहा ने रंजीत और अरुण को पैसे देकर सनी के साथ भेज दिया।सनी को शराब पिलाकर डंडे से पीटा, फिर रस्सी से लगाया फंदा- जुनावई क्षेत्र में लाकर रंजीत और अरुण ने सनी को शराब पिलाकर डंडा और लात घूसों से पिटाई करने के बाद गले में रस्सी का फंदा लगाकर मार डाला। इसके बाद उसकी लाश फेंक कर भाग गए थे। शुक्रवार को पुलिस ने तीनों को कोर्ट में पेश किया जहां से आरोपी जेल भेज दिया गया है।हादसा मान रही थी थाना पुलिस- जुनावई थाना क्षेत्र में युवक का अज्ञात शव बरामद होने के बाद पुलिस इसे महज दुर्घटना मान रही थी हालांकि मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने नमूने भी लिए थे और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस की सर्विलांस टीम को भी सक्रिय कर दिया गया। शव की शिनाख्त होने के बाद पुलिस का शक उसकी पत्नी की ओर बढ़ा तो पड़ताल और गहन हो गई। पूछताछ के बाद कड़ियां मिलती गईं और सच सामने आ गया।शव को जलाने व दुर्घटना दिखाने का भी किया था प्रयास- सनी की हत्या करने के बाद अरुण और रंजीत ने शव को पास ही भूसे की बुर्जी में जलाने का भी प्रयास किया लेकिन माचिस का इंतजाम नहीं हो सका। इसके बाद सड़क दुर्घटना का रूप देने के लिए शव को बाइक पर लेकर सड़क की ओर जाने लगे तो सामने से दूध लेकर आ रही डीसीएम को देखकर कच्चे रास्ते पर शव को फेंक दिया।मां की करतूत से अनाथ हुई मासूम बच्ची- इश्क में अंधी हुई महिला की करतूत ने पांच साल की बेटी को अनाथ कर दिया। पिता की हत्या करने के बाद मां भी जेल चली गई। अब न मां का आंचल है और न पिता का साया। सनी की पांच साल की बेटी का भविष्य अंधकारमय हो गया है। फिलहाल वह अपनी ननिहाल में ही रहेगी। अभी बेटी नादान है, लेकिन मां की घिनौनी हरकत उसे जीवनभर कष्ट देगी।एसपी ने हत्यारोपी महिला के चेहरे से पर्दा हटवाया- एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने सनी की हत्या का खुलासा करते हुए मीडिया के सामने चेहरा छुपाए खड़ी हत्या की मुख्य आरोपी नेहा का चेहरा खुलवाते हुए कहा की कि चेहरा खोल दो, तुमने क्या काम किया है सबको पता चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिश्ते को कलंकित करने वाली महिला की पहचान सार्वजनिक होनी चाहिए, ताकि इसकी असलियत सभी के सामने आ सके।शव पर गुदे टैटू बने पहचान में सहायक-नेहा और रूबी के पतियों में एक समानता ने पुलिस को हत्यारों तक पहुंचने में काफी मदद की। रूबी के पति राहुल के हाथ और कंधे पर राहुल लिखा था, जिससे उसके शव की पहचान हुई, जबकि सनी के हाथ पर उसका व पत्नी का नाम नेहा लिखा था। दोनों ही शवों की कई दिन बाद शिनाख्त हुई थी।राहुल हत्याकांड में पुलिस ने आसपास के जिलों से गुमशुदगी की जानकारी जुटाई थी और यही प्रक्रिया सनी हत्याकांड में की गई थी। इसी के आधार पर मृतकों के बारे में पुष्टि हो सकी थी। अपराधी कितना ही शातिर क्यों न हो कानून के हाथों से बच नहीं सकता। ऐसा ही यहां भी हुआ पति की हत्या में रूबी और अब नेहा पुलिस के चंगुल में फंस ही गई।

खाना नहीं देने पर पत्नी की हत्या, पकड़ा गया तो पछता रहा आरोपी, फावड़े के वार से फट गया था भेजा

कटघर थाना क्षेत्र के देवापुर में विवाद के बीच खाना नहीं देने से गुस्साए पति ने फावड़ा मारकर पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े जाने के बाद आरोपी अब पछता रहा है। कटघर थाना क्षेत्र के देवापुर में खाना नहीं देने पर पूनम (40) की हत्या करने के आरोपी पति राजू को पुलिस ने शुक्रवार की दोपहर कोर्ट में पेश किया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है।पुलिस के मुताबिक, कटघर के देवापुर निवासी राजू सैनी का कई दिन से पत्नी पूनम से शराब पीने को लेकर विवाद चल रहा था। बृहस्पतिवार की सुबह भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। इसके बाद वह घर से बिना खाना खाए चला गया था।दिन भर उसने खेत पर काम किया और शाम करीब पांच बजे घर लौटा था। उसने देखा कि घर में पत्नी मौजूद नहीं है। वह उसे देखने के लिए घर के पास ही घेर में चला गया था। वहां पत्नी पशुओं के लिए चारा तैयार कर रही थी। उसने अपनी पत्नी से कहा कि घर चलकर खाना दे लेकिन पूनम ने यह कहकर मना कर दिया है कि अभी उसने खाना नहीं बनाया है। इसके बाद उसने थाली में खाना परोस दिया और घेर में ले आई थी लेकिन थाली दिखाने के बाद उसने थाली फेंक दी थी। इससे गुस्से ने फावड़ा मारकर हत्या कर दी। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि शुक्रवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे

जेल भेज दिया है। हत्या करने के बाद पछता रहा राजू -पत्नी की हत्या करने के बाद राजू सैनी पछता रहा है। वह कटघर थाने में बार बार बोल रहा था कि उसने बहुत गलत कर दिया। घर बिखर गया। अब बेटी-बेटों का क्या होगा। पत्नी की मौत हो गई और मैं भी जेल जा रहा हूं। टूट गई थीं हड्डियां, फट गया था भेजा- कटघर थाने की पुलिस ने शुक्रवार को महिला के शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि पूनम के सिर की हड्डी टूट गई थीं और भेजा फट गया था।

6 लाख से कम टैक्स देने वाले ईंट भट्ठों पर होगी कार्रवाई

मुरादाबाद । जोन के एडिशनल कमिश्नर ग्रेड-1 अशोक कुमार सिंह के कक्ष में ईंट भट्ठा एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ईंट भट्ठा कारोबार से जुड़े कर संग्रहण एवं प्रवर्तन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। शुक्रवार को आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 6 लाख रुपये से अधिक टैक्स देने वाले ईंट भट्ठा व्यापारियों को जांच से छूट दी जाएगी,जबकि इससे कम टैक्स देने वाले भट्ठों के विरुद्ध विभाग द्वारा कार्यवाही की जाएगी। तय किया गया कि ट्रेडिंग फर्मों द्वारा उत्तराखंड सहित प्रांत के बाहर ट्रकों के माध्यम से भेजी जा रही ईंटों के वाहनों की सघन जांच कराई जाएगी। एडिशनल कमिश्नर ग्रेड-1 ने बैठक में उपस्थित एडिशनल कमिश्नर ग्रेड- (एसआईबी) आर.ए. सेठ को प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कर अपवंचन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और राजस्व वृद्धि के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि मुरादाबाद जोन में मई 2025 में अपर आयुक्त ग्रेड-1 के पद पर तैनाती के बाद से ही ईंट भट्ठों के बिल संग्रहण का विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप गत वर्ष की तुलना में ईंट पर 50 प्रतिशत से अधिक टैक्स प्राप्त हुआ है। हालांकि अपर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि यह प्राप्ति तीन गुना तक बढ़ाई जा सकती है। मुरादाबाद में राजस्व वृद्धि के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए आयुक्त राज्य कर द्वारा प्रदेशभर में सचल दल यूनिट को ईंट भट्ठों के बिल संग्रहण के लिए सर्कुलर के माध्यम से निर्देश भी जारी किए गए हैं।बैठक में भट्ठा एसोसिएशन के संरक्षक सुनील अग्रवाल, महामंत्री संजय चौधरी तथा सदस्य अब्दुल वाजिद, सैद हुसैन, परवेज आलम, मोहम्मद फहीम उपस्थित रहे। वहीं विभाग की ओर से मोहित गुप्ता, शैलेंद्र गुप्ता (संयुक्त आयुक्त राज्य कर) एवं अंकित मौर्य (सहायक आयुक्त) भी बैठक में मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पेड़ पर फंदे से लटका मिला दिव्यांग का शव, घर से हो गया था लापता, पुलिस कर रही जांच

बनियाठेर थाना क्षेत्र के मझावली में पेड़ पर दिव्यांग युवक का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने आत्महत्या मानते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बनियाठेर थाना क्षेत्र के मझावली वीनस शुगर मिल के पास पुलिया के निकट स्थित ढाबे के पीछे बबूल के पेड़ पर दिव्यांग युवक मुन्नालाल (38) निवासी गांव जयरोई हयातनगर थाना बहजोई का शव लटका मिला। गन्ना लेकर मिल पर आए ट्रैक्टर सवार किसान ने शव पेड़ से लटका देखा तो जानकारी हुई।सूचना पाकर सीओ थाना पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। आत्महत्या मानते हुए शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना बहजोई के गांव जयरोई हयातनगर के रहने वाले भगवानदास के दो पुत्र थे।छोटा बेटा शंकरलाल पिता के पास ही गांव में रह रहा है। जबकि बड़ा बेटा मुन्नालाल मझावली मिल के पास कालू कश्यप निवासी गांव मझावली के ढाबे पर रह कर रोटी बनाने का काम करता था। मुन्नालाल बचपन से ही दायं पैर से दिव्यांग था और अविवाहित था। शुक्रवार की सुबह सात बजे से वह कहीं लापता हो गया। ढाबा मालिक व परिजन उसे तलाश कर रहे थे। दोपहर साढ़े तीन बजे शुगर मिल पर ट्रैक्टर-ट्राली से गन्ना लेकर आए एक किसान ने ढाबे के पीछे बबूल के पेड़ से मुन्नालाल का शव लटका देखा। गले में प्लास्टिक के बान का फंदा कसा था। सूचना पाकर एसएसआई रोशन सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। सीओ मनोज कुमार और मृतक के पिता व परिजन भी पहुंच गए। ढाबा मालिक कालू कश्यप ने पुलिस को बताया कि मुन्नालाल सुबह सात बजे तक ढाबा पर था और फिर गायब हो गया। गांव जयरोई हयातनगर जाकर भी पूछा तो वहां भी नहीं पहुंचा। पूछताछ में पिता भगवानदास ने बताया कि उनकी बृहस्पतिवार को मुन्नालाल से फोन पर कुशलक्षेम के लिए बात हुई थी। सबकुछ ठीक ठाक था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मझावली मिल के पास ढाबा पर काम कर रहे दिव्यांग युवक ने पेड़ पर फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अगली कार्रवाई की जाएगी। - मनोज कुमार सिंह, सीओ चंदौसी

असिस्टेंट प्रोफेसर पर हमला, चौकी में नहीं हुई सुनवाई, एसएसपी से शिकायत के बाद केस

केजीके होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर को आउटसोर्सिंग कर्मचारी और उसके साथियों ने कार से टक्कर मार दी। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है।मझोला थाना क्षेत्र के लाइनपार स्थित राजकीय केजीके होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्णवीर सिंह पर कार सवार लोगों ने हमला कर दिया। जिसमें प्रोफेसर घायल हो गए। प्रोफेसर का दावा है कि हमला करने वालों में कॉलेज का आउट सोर्सिंग कर्मचारी मोहित भी शामिल था।क्लासरूम का गेट खोलने के लिए कहने पर कर्मचारी नाराज हो गया था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मोहित और उसके साथियों पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मझोला के लाइन पार निवासी डॉ. कृष्णवीर सिंह ने दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि वह राजकीय केजीके मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।20 दिसंबर की सुबह करीब 10 बजे कॉलेज पहुंचे तो क्लासरूम बंद था और छात्र आ चुके थे। उन्होंने बाबू से कहा तो बाबू ने मोहित को क्लासरूम खोलने के लिए भेज दिया। असिस्टेंट प्रोफेसर का कहना है कि मोहित ने इस बात को लेकर रंजिश मान ली और उसने अपने तीन साथी बुला लिए। शाम करीब साढ़े पांच बजे प्रोफेसर अपनी बाइक पर सवार होकर घर के लिए निकले। उनके साथ बाइक पर ही पीछे कार्यवाहक प्रिंसिपल डीएस कुशवाह भी सवार थे। रामलीला मैदान वाली रोड पर मोहित और उसके साथियों ने कार से टक्कर मारकर बाइक गिरा दी। जिसमें डॉ. कृष्णवीर सिंह और डॉ. डीएस कुशवाह घायल हो गए। इसके बाद मोहित और उसके साथियों ने हमला कर दिया। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर एक नामजद और तीन अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की है। नहीं हुई सुनवाई, एसएसपी से की शिकायत - डॉ. कृष्ण वीर सिंह ने बताया कि घटना के बाद उन्होंने अपना इलाज कराया और तीन दिन बाद पुलिस चौकी और थाने में तहरीर दी लेकिन पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की थी। थाने में सुनवाई नहीं होने पर पीड़ित ने एसएसपी को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। टीम का गठन किया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सीएम कार्यालय द्वारा जारी किया दिसम्बर 2025 माह की रैकिंग में बरेली प्रदेश मे नंबर वन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तरप्रदेश में विकास कार्या का मूल्यांकन, अनुश्रवण एवं समीक्षा हेतु गठित सीएम डैशबोर्ड पर इन्टीग्रेटेड विभागों की सेवाओं योजनाओं परियोजनाओं में विभिन्न स्तरों के अधिकारियों द्वारा प्रत्येक माह किए गए विकास कार्यक्रमों के प्रदर्शन के आधार पर उनकी रैंकिंग सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर प्रत्येक माह निर्गत की जाती है।

सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर माह दिसम्बर 2025 की जारी की गयी रैंकिंग में जनपद बरेली को विकास कार्यक्रमों में प्रदेश में दूसरा स्थान एवं राजस्व कार्यक्रमों में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में जनपद को उत्तरप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

यह सब जिलाधिकारी अविनाश सिंह के कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं निरन्तर गहन समीक्षा में दिये गये निर्देशों के परिणामस्वरूप ही जनपद के कार्य प्रदर्शन में उत्तोरत्तर वृद्धि हुई है।

जिलाधिकारी की लगन, मेहनत एवं उनके कुशल मार्गदर्शन में विभागीय अधिकारियों द्वारा किये गये परिश्रम के परिणामस्वरूप जनपद बरेली ने ओवरऑल रैकिंग में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

जिलाधिकारी द्वारा इस उपलब्धि पर समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विकास एवं राजस्व कार्यक्रमों की गति में निरन्तरता बनाये रखने के निर्देश दिये गये।

मनरेगा भ्रष्टाचार का प्रतीक जी राम जी से मिलेगा ज्यादा रोजगार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शनिवार को सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता दौरान उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बरेली में हाल ही में एक दुखद घटना घटी है। भाजपा के विधायक प्रोफेसर श्याम बिहारी का 3 जनवरी को निधन हो गया था। उनके आवास पर श्रद्धांजलि देने भी पहुंचे। और भगवान से प्रार्थना करते हुए कहा कि समर्थकों और परिजनों को इस दुख को सहने की शक्ति दें।

डिप्टी सीएम ने कहा कि मनरेगा योजना श्रमिकों और गांवों के विकास के लिए शुरू की गई थी, लेकिन 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने के बावजूद गांवों में अपेक्षित विकास नहीं हो पाया। उन्होंने आरोप लगाया कि मनरेगा भ्रष्टाचार का पर्याय बन गई थी और कांग्रेस को भ्रष्टाचार की जननी बताया।उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस बयान का जिक्र भी किया, जिसमें कहा गया था कि केंद्र से भेजे गए एक रुपये में से केवल 25 पैसे ही लाभार्थियों तक पहुंचते थे।

मौर्य ने कहा कि वर्तमान सरकार में भ्रष्टाचार पर पूरी तरह अंकुश लगाया गया है। अब योजनाओं की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न खाऊंगा, न खाने दूंगा के संकल्प का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शिता के साथ काम कर रही है।उन्होंने बताया कि नई 'जी-राम-जी योजना' का कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं। पहले जहां 100 दिन का रोजगार था, अब इसे बढ़ाकर 125 दिन किया गया है।

भ्रष्टाचार रोकने के लिए योजना को पीएम गति शक्ति योजना से जोड़ा गया है। ग्राम सभाओं को ए, बी और सी श्रेणी में विभाजित किया गया है, फिर भी पहले गांवों में जल निकासी जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं थीं।

डिप्टी सीएम ने कहा कि पहले मनरेगा में एनजीओ के जरिए काम होता था, जिससे भ्रष्टाचार बढ़ा। अब जी-राम-जी योजना में किसी भी एनजीओ की भूमिका नहीं होगी और इसे एक महीने के भीतर जमीन पर उतार दिया जाएगा। इससे श्रमिकों को अधिक रोजगार मिलेगा और भुगतान सात दिनों के भीतर उनके खातों में पहुंच जाएगा।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस, सपा और टीएमसी को राम के नाम से परेशानी होती है। गरीबों के सम्मान में कहा कि भाजपा गरीबों की पूजा करती है और उनके कल्याण के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। अखिलेश यादव पर भी तंज कसते हुए कहा कि उन्हें इन योजनाओं के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

हरे-भरे रहेंगे शहर के पार्क, समय समय पर खुद होगी सिंचाई :: पार्कों की हरियाली ,बचाने के लिए नगर निगम ने शुरू की पहल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शहर के पार्कों की हरियाली को बचाने और पानी की बेहतर बचत के लिए नगर निगम एक नई पहल करने जा रहा है। अब पार्कों में ऑटोमाइज्ड वाटर स्प्रिंकलर सिस्टम के जरिए तय समय पर अपने आप पानी का छिड़काव होगा। इसकी शुरुआत सिविल लाइंस क्षेत्र के दो पार्कों से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की जाएगी।

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत कमिश्नर आवास के पास स्थित पार्क और नगर निगम कैंपस के पार्क को ऑटोमेशन सिस्टम से जोड़ा जाएगा। इस तकनीक के लागू होने के बाद पौधों और घास की सिंचाई के लिए मानवीय दखल खत्म हो जाएगा और पहले से तय समय के अनुसार स्वत: पानी का छिड़काव होगा। अधिकारियों का

कहना है कि यदि यह पायलट प्रोजेक्ट सफल रहता है तो आगे चलकर शहर के सभी 253 पार्कों में इस सिस्टम को लागू किया जाएगा। इससे न सिर्फ पानी की बचत होगी, बल्कि कम खर्च में पार्कों की हरियाली को बनाए रखना भी आसान होगा। पर्यावरण अभियंता राजीव कुमार राठी ने बताया कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अहम कदम साबित होगी और शहरवासियों को साफ, सुंदर और हरे-भरे पार्कों की सौगात मिलेगी।पायलट प्रोजेक्ट से सिविल लाइंस के दो पार्कों में ऑटोमाइज्ड वाटर स्प्रिंकलर सिस्टम के जरिए पानी का छिड़काव स्वत: होगा। पायलट सफल होने पर इसे अन्य पार्कों में भी लागू किया जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट सफल होने के बाद शहर के सभी 253 पार्कों में सिस्टम को लागू किया जाएगा।प्रोजेक्ट की शुरुआत कमिश्नर आवास और नगर निगम कैंपस के पार्कों से की जाएगी। इससे इन क्षेत्रों की हरियाली सुरक्षित रहेगी। ऑटोमेशन सिस्टम तय समय पर पौधों और घास को अपने आप पानी देगा। मानवीय दखल की जरूरत नहीं रहेगी। पानी का छिड़काव पहले से निर्धारित समय पर होगा, जिससे सिंचाई नियमित और प्रभावी होगी। कम खर्च में बेहतर सिंचाई, पानी की बचत और पार्कों की हरियाली लंबे समय तक बनी रहेगी ।

अवैध कॉलोनियों पर बीडीए की बड़ी कार्रवाई, 60 बीघा में फैला निर्माण ध्वस्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भगवन्तापुरा में अवैध कॉलोनियों पर बीडीए की बड़ी कार्रवाई, 60 बीघा में फैला निर्माण ध्वस्त कर दिया। बरेली विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण और बिना मानचित्र स्वीकृति विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बीते दिवस बड़ी कार्रवाई की। थाना सीबीगंज क्षेत्र के ग्राम भगवन्तापुर में प्रवर्तन टीम ने करीब 60 बीघा भूमि पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

दो सगे भाइयों की जमीन पर चलाया गया बुलडोजर जांच में सामने आया कि ग्राम भगवन्तापुरा में आफाक उर्फ मन्नी द्वारा लगभग 40 बीघा भूमि पर बिना किसी विभागीय अनुमति के भूखंडों का चिन्हांकन, सड़क और बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया जा रहा था।

वहीं उनके भाई मुस्तफाक अहमद द्वारा भी करीब 20 बीघा जमीन पर नियमों को दरकिनार कर अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। बीडीए की टीम ने दोनों स्थानों पर निर्माणाधीन ढांचों, आंतरिक सड़कों और अन्य अवैध संरचनाओं को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

अधिकारियों की निगरानी में चला अभियान इस कार्रवाई का नेतृत्व विशेष कार्याधिकारी अजीत कुमार सिंह ने किया। मौके पर सहायक अभियंता धर्मवीर सिंह, अवर अभियंता सुरेंद्र द्विवेदी, संदीप कुमार सहित प्रवर्तन टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहे। बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. मणिकंदन ए. ने बताया कि अवैध कॉलोनियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 की संबंधित धाराओं के तहत विधिक कार्रवाई की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कदम उठाए जाएंगे। जनता से बीडीए की अपील बरेली विकास प्राधिकरण ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार का निर्माण या प्लॉटिंग करने से पहले मानचित्र की विधिवत स्वीकृति अवश्य प्राप्त करें। बिना स्वीकृत मानचित्र के किया गया निर्माण अवैध माना जाएगा और उसे किसी भी समय ध्वस्त किया जा सकता है।

प्राधिकरण ने यह भी सलाह दी है कि कोई भी भूखंड या भवन खरीदने से पहले उसकी वैधता और नक्शा स्वीकृति की जांच जरूर करें, अन्यथा होने वाले आर्थिक नुकसान की जिम्मेदारी खरीदार की स्वयं होगी।

छात्र की मौत पर 3.05 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कक्षा 6 के छात्र की इलाज के दौरान मौत के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग प्रथम अध्यक्ष सोमश्याम यादव, सदस्य मुक्ता गुप्ता व प्रशांत मिश्रा की पीठ ने संस्थान के चेयरमैन और पीडियाट्रिक को 2 माह में मृतक के पिता वादी थाना भोजीपुरा ग्राम तजुआ निवासी चन्द्रपाल को 3 लाख 5 हजार रुपये मुआवजा दिये जाने का आदेश दिया है। समयावधि में भुगतान न करने पर 6 प्रतिशत ब्याज भी देना होगा। चन्द्रपाल के अधिवक्ता नन्द किशोर भगत ने बताया कि 9 अप्रैल 2022 को अपने 12 वर्षीय पुत्र अंशु को निजी चिकित्सक को दिखाया था। उनके परामर्श पर 6 हजार रुपये भुगतान कर पुत्र को उनके संस्थान में भर्ती कराया। 10 अप्रैल 2022 को ट्रेनी एवं अनुभवहीन डॉक्टर एवं नर्स ने अंशु को गलत इंजेक्शन लगा दिया, इससे अंशु की मृत्यु हो जाने पर नर्स घबराकर भाग गयी। घटनाक्रम मोबाइल में रिकॉर्ड है। शव का पोस्टमार्टम कराये बिना उन्हें सौंप दिया। पुलिस ने मुकदमे में फाइनल रिपोर्ट लगाकर कोर्ट भेज दी थी। अर्जी मंजूर कर कोर्ट ने पुनः विवेचना का आदेश दिया था, विवेचना अभी विचाराधीन है।

30 से अधिक आयु वालों की फ्री हेल्थ जांच... बनेगी डिजिटल स्वास्थ्य कुंडली, 80 बिंदुओं पर होगी स्क्रीनिंग

30 से अधिक आयु वाले महिला-पुरुषों की स्वास्थ्य कुंडली तैयार की जाएगी। उनकी पांच प्रकार की जांच निशुल्क की जाएंगी। इसके साथ ही 80 बिंदुओं पर स्क्रीनिंग होगी।गैर संचारी रोग, कैंसर, मधुमेह व अन्य गंभीर बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग नई पहल शुरू करेगा। स्वास्थ्य विभाग अब 30 वर्ष से अधिक आयु वाले व्यक्तियों के सेहत की जांच निशुल्क कराएगा। साथ ही गंभीर बीमारी वाले मरीजों का विवरण ई-कवच पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इनकी 80 बिंदुओं पर स्क्रीनिंग होगी और 5 प्रकार की हो रहीं जांच होंगी। जांच में रोग ग्रसित पाए जाने पर मरीज का सरकार आजीवन निशुल्क उपचार कराएगी।बदलते समय में अब कम उम्र में ही लोग कैंसर, डायबिटीज, हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक्स सहित अन्य गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। जागरूकता के अभाव में मरीज नियमित अपने सेहत की जांच नहीं कराते हैं। ऐसे में आगे चलकर यह समस्या गंभीर हो जाती है।आदि की सलाह देते हुए इससे बचाने पर काम किया जाएगा।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर किशोरी को जाल में फंसाया , अश्लील वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। एक युवक ने नाबालिग लड़की की जन्मतिथि में फर्जीवाड़ा कर बालिग बताकर उससे शादी कर ली। अब अश्लील वीडियो और फोटो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी पति व ससुरालवाले उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। पीड़िता ने प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जनकपुरी निवासी लड़की ने प्रेमनगर थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह यादव को बताया कि उसकी दोस्ती इंस्टाग्राम पर युवक से हुई थी। दोनों का मिलना-जुलना शुरू हुआ। इस दौरान युवक ने आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए। फोटो और वीडियो से युवक उसे ब्लैकमेल करने लगा। लड़की ने नाबालिग होने की बात कही। युवक ने अपने बहनोई के साथ मिलकर लड़की के प्रमाणपत्रों में फर्जीवाड़ा कर जन्मतिथि में हेरफेर कर दी। इसके बाद शादी कर फर्जी विवाह प्रमाणपत्र बनवा लिया। पीड़िता ने बताया कि शादी के बाद युवक उसे और अधिक ब्लैकमेल करने लगा। युवक ने लड़की के परिजनों से कई बार रुपये लिए। शराब पीकर युवक ने कई बार उसकी पिटाई की। 28 नवंबर को युवक की शराब पीने से तबीयत खराब हुई थी तो उसके बहनोई उसे साथ ले गए। युवक के पिता से शिकायत की तो उसने भी आपत्तिजनक फोटो और वीडियो इंटरनेट पर वायरल करने की धमकी दी। आरोपी युवक के पिता ने फर्जी शादी कराने की बात कहकर तलाक देने की बात कही। पीड़ित लड़की की शिकायत पर प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि विवेचना के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

नदी की सफाई बनी लकड़ी ठेकेदारों व सिंचाई विभाग के कर्मचारी के लिए आपदा में अफसर जैसी बन गई

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / अफसरिया नदी की सफाई बनी लकड़ी ठेकेदारों व सिंचाई विभाग के कर्मचारी के लिए आपदा में अफसर जैसी बन गई है तहसील क्षेत्र अमरिया के सरैनी तुरकुनिया के निकट अप्सरिया नदी के पुल के पास में सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आया है। जिसमें जिलेदार आकाश श्रीवास्तव और पतरौल धर्मेंद्र कश्यप पर ठेकेदार के साथ मिलीभगत कर सिंचाई विभाग की सरकारी पेड़ों को कटवाने के गंभीर आरोप लगे हैं। वही ठेकेदार का कहना है की आज सुबह पतरौल साहब से बात हो गई है। मामले की जानकारी अधिकारियों को देने के बावजूद भी कई घंटे तक सिंचाई विभाग का कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। यह घटना मुख्य रूप से सिंचाई विभाग से संबंधित नहरों के किनारे लगे पेड़ों की सुरक्षा में चूक और भ्रष्टाचार से जुड़ी है। जिसमें प्राथमिक रूप से कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है।

सीबीगंज आईटीआई में अप्रेंटिस के लिए कल आएगी कंपनी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सीबीगंज में सोमवार 12 जनवरी को अप्रेंटिसशिप के लिए कंपनी पहुंचेगी। बताया कि टाटा मोटर्स लिमिटेड लखनऊ द्वारा आईटीआई पासआउट जिनकी उम्र 18 से 23 वर्ष की होगी ऐसे 100 लोगों का चयन किया जाना है। चयनित लोगों को लखनऊ में कार्य के दौरान 13480 रुपये प्रतिमाह देने के साथ अन्य सुविधाएं दी जाएंगी।

ट्रेन की चपेट में आकर मजदूर की मौत, रेलवे ट्रैक पार करते समय हुआ हादसा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना फरीदपुर क्षेत्र के राजपुरिया गांव निवासी 45 वर्षीय बाबूराम की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। शनिवार को उनका शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। हादसा सीबीगंज थाना क्षेत्र में हुआ। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। शनिवार को पोस्टमॉर्टम हाउस पर मृतक के भांजे सचिन ने बताया कि बाबूराम अपने बहनोई ठाकुरदास के घर सीबीगंज क्षेत्र के नंदोसी गांव में रह रहे थे। शनिवार सुबह बाबूराम शौच के लिए रेल लाइन पार कर रहे थे, तभी अचानक ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजन के अनुसार बाबूराम को सुनाई कम देता था और उनकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं थी। हादसे की वजह यह भी मानी जा रही है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि बाबूराम मजदूरी कर जीवनयापन करते थे। उनकी शादी नहीं हुई थी।

बरेली कॉलेज में अस्थाई कर्मचारियों को स्थाई करने की मांग को सीएम को भेजा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कॉलेज बरेली के अस्थाई कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग को मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। आज कर्मचारी कल्याण सेवा समिति बरेली कॉलेज बरेली के अध्यक्ष जितेंद्र मिश्रा एवम् सचिव हरीश मौर्य ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपा। ज्ञापन में लिखा है कि बरसों से हम अस्थाई कर्मचारी नियमित और समायोजन करने की मांग कर रहे हैं परंतु हमारी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अध्यक्ष जितेंद्र मिश्रा ने बताया कि आगामी 20जनवरी को हम सांकेतिक धरना प्रदर्शन करेंगे।

दिन में वेखौफ दौड रहे मिट्टी भरे डंपर देवरनियां में अवैध खनन, मुख्यमंत्री समेत अफसरों से शिकायत

थाने के सामने से गुजरते हैं मिट्टी भरे डम्पर

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार/ कोतवाली देवरनियां क्षेत्र में अवैध रुप से वेखौफ चल रहा खनन का खेल।? बरेली के एक खनन माफिया के मिट्टी भरे डम्पर वेखौफ होकर दिन में? दौड रहे हैं। यह खेल पुलिस की शह पर हो रहा है। मामले की शिकायत सूबे के मुख्यमंत्री समेत तमाम आला अफसरों से की गई है।

शासन और आला अफसरों के सख्त तेवरों के बावजूद देवरनियां कोतवाली पुलिस अवैध खनन के डम्पर दौडवा रही है। बताते हैं कि बरेली के एक खनन माफिया प्रशांत पटेल द्वारा पहले हाईवे किनारे देवरनियां के मोहनपुर में? अवैध खनन कर पटान किया गया था, अब देवरनियां कोतवाली से चन्द कदम दूरी पर शेरिया इंटर कॉलेज के पास अवैध खनन कर पटन किया जा रहा है। और मिट्टी भरे डम्पर वेखौफ होकर दिन में? दौड रहे हैं। यह डम्पर देवरनियां कोतवाली के सामने से गुजरते हैं, मगर पुलिस इन्हें नहीं रोकती। बताते हैं कि इसमें पुलिस से मिलकर ही खनन माफिया द्वारा डम्पर चलाए जा रहे हैं। ढाकनलाल गंगवार द्वारा देवरनियां में अवैध खनन कर दौड रहे डम्परों की शिकायत सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से सूबे के मुख्यमंत्री समेत डीएम, एडीजी जोन, आईजी रेंज, एस एसपी, यूपी पुलिस और बरेली पुलिस से की गई है। शिकायत में कहा गया है,कि इससे इलाके के किसान परेशान हैं, इसपर कार्रवाई हो। . थाना प्रभारी ने नहीं दिया कोई जवाब । इस संबंध में देवरनियां कोतवाली के प्रभारी उप निरीक्षक आशुतोष द्विवेदी से मालूम किया गया, मगर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

किसानों से 36 लाख 18 हजार रुपये की ठगी करने वाला व्यापारी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा / शिवपुरी।थाना देहात पुलिस ने किसानों से फसल खरीदकर करीब 36 लाख 18 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने वाले उत्तर प्रदेश के हर्दोई जिले के आरोपी व्यापारी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 15 दिसंबर 2025 को फरियादी सतीश रावत (27 वर्ष) निवासी ग्राम सेंसई सड़क, थाना कोलारस, जिला शिवपुरी ने थाना देहात में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था

कि व्यापारी फिरासत अली पुत्र लियाकत अली (50 वर्ष) निवासी मोहल्ला खेड़ा बलायकोट शाहबाद, जिला हरदोई (उ.प्र.) ने किसानों से फसल खरीदने के बाद भुगतान नहीं किया। जांच में सामने आया कि आरोपी फिरासत अली ने कोलारस क्षेत्र में मुनीत मित्तल के होटल के कमरे को किराए पर लेकर स्वयं को बड़ा व्यापारी बताकर किसानों से एग्रीमेंट किए। इसके बाद उसने आसपास के किसानों से टमाटर, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, प्याज, लहसुन, गाजर, मक्का सहित अन्य फसलों की खरीद की। शुरुआत में वह एक दिन बाद भुगतान कर किसानों का विश्वास जीतता रहा, लेकिन बाद में उधार फसल लेने लगा और भुगतान बंद कर दिया।

पुलिस जांच में प्रथम दृष्टया आरोपी के विरुद्ध धारा 316(2), 318(4) बीएनएस के तहत अपराध प्रमाणित पाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद थाना देहात में अपराध क्रमांक 11/26 दर्ज कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह मावई द्वारा दिनांक 9 जनवरी 2026 को आरोपी फिरासत अली को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को विधिवत माननीय न्यायालय में पेश किया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह मावई, उपनिरीक्षक योगेन्द्र सिंह सेंगर, सहायक उपनिरीक्षक विनोद सिंह गुर्जर, प्रधान आरक्षक दीपचंद, देवेन्द्र सेन, आरक्षक बलवीर सिंह, सकील खान, बदन सिंह, सचेन्द्र शर्मा, संजय धाकड़, अरुण मेवाफरोस एवं प्रताप सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

क्वार्टर में शार्ट सर्किट से लगी आग, चारपाई पर सो रहे बिजली कर्मचारी की जिंदा जलकर मौत

काम समाप्त करके बिजली कर्मचारी कमरे पर आया। वह चारपाई पर सो गया । दूसरे कमरे में उसकी पत्नी दो बेटियों के साथ सो रही थी। रात्रि में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे कमरे में चल रहा टेलीविजन फट गया और आग लग गई।बिजली घर परिसर में बने क्वार्टर के अंदर शार्ट सर्किट से आग लग गई। चारपाई पर सो रहे बिजली कर्मचारी की जिंदा जलकर मौत हो गई। जिससे परिवार में मातम छा गया।

अलीगढ़ में गभाना के गांव पिपलकोट निवासी 53 वर्षीय अनिल कुमार शर्मा पुत्र राजवीर शर्मा सिकंदराराऊ थाना अंतर्गत 220 केवीए नगला जलाल बिजली घर पर ट्रांसमिशन में श्रमिक के रूप में काम करता था। यहां काम करने वाले कर्मचारी परिसर में ही बने आवासों में रहते हैं। 9 जनवरी रात्रि लगभग 11ः30 बजे राजवीर शर्मा काम समाप्त करके अपने कमरे पर आया। वह चारपाई पर सो गया । दूसरे कमरे में उसकी पत्नी दो बेटियों के साथ सो रही थी। रात्रि में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे कमरे में चल रहा टेलीविजन फट गया। कमरे में फैले हुए समान, कपड़ों में आग लग गई। चारपाई पर सो रहे अनिल कुमार शर्मा की बुरी तरह झूलसकर मौके पर ही मौत हो गई। पड़ोसियों ने जब क्वार्टर से धुआं तथा आग निकलती देखी तो पानी डालकर आग को बुझाया। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पत्नी सरोज देवी ने बताया कि उनके पास पांच बेटी और एक बेटा है। तीन बड़ी बेटियों की शादी हो गई है। 3 जनवरी को बेटे आकाश का जन्मदिन मनाने के बाद तीनों विवाहित बेटियां अपने ससुराल चली गईं तथा बेटा आदर्श गांव में दादी के पास चला गया। उन्होंने बताया कि पत्नी तथा दो बेटी निषा शर्मा, भूमिका शर्मा उनके साथ सो रही थी। आग लगने के बाद पति की चीख-पुकार भी सुनाई नहीं दी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना जहानाबाद में की गई जनसुनवाई।

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार/ पीलीभीत - जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना जहानाबाद में पहुंचकर जन शिकायतों की सुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी द्वारा फरियादियों की शिकायतों का संज्ञान लिया गया। इसके साथ ही साथ आपसी विवादों संबंधी शिकायतों के संबंध में सम्बन्धित क्षेत्र के लेखपाल व पुलिस कर्मचारियों द्वारा मौके पर जाकर समस्या के निस्तारण करने के निर्देश दिये गये। उन्होंने थाना प्रभारी को निर्देशित करते हुये कहा कि जनसुवाई के दौरान आईं समस्त शिकायतों में सम्बन्धित क्षेत्र के राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर दोनों पक्षों को बुलाकर समस्या का समाधान कराया जाये, किसी भी दशा में कोई भी शिकायत अधिक समय तक लम्बित न रहे। जिलाधिकारी ने थानाध्यक्ष को निर्देश देते हुये कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को गुणवत्तापरक ढंग जाने व साफ सफाई कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिए। थाना समाधान दिवस के दौरान पुलिस

से निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही जहानाबाद इंट्री प्वाइंट के आसपास रोड के किनारे पड़े कूड़े के ढेर हटाए क्षेत्राधिकारी सदर नताशा गोयल, थानाध्यक्ष, लेखपाल सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

श्री राम महायज्ञ और श्री मद भागवत कथा के बाद कन्या भोज का आयोजन

◆ एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने कन्याओं को भोजन कराया और दक्षिणा देकर आशीष लिया

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) आज ग्राम रबा में कथा आयोजन स्थल पर बीते समय श्री मद भागवत कथा और महायज्ञ का आयोजन किया जिसमे यह धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन अच्छी तरह से संपन्न होने के बाद इस धार्मिक आयोजन के संयोजक और परीक्षित एमएलसी रमा आरपी निरंजन द्वारा कन्या भोज का आयोजन किया गया इस कन्या भोज में बड़ी संख्या में रवा गांव के अलावा भेंड़ खुआ धनोरा आदि की तमाम कन्याओं को बुलाकर उन्हें सम्मान सब्जी पुड़ी और नुक्ति आदि के साथ भोजन कराया गया साथ ही इस कथा के परीक्षित एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन द्वारा सभी कन्याओं का तिलक कर उन्हें दक्षिणा भेंट की साथ सभी कन्याओं के चरण वंदन के उनसे आशीर्वाद किया किया इस अवसर पर एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने कहा कि यहां मेरे गांव में मेरे देखरेख में और सभी आस पास के गांवों के लोगों के विशेष सहयोग से यह धार्मिक आयोजन कुशलता पूर्वक ठीक से संपन्न हो गया है इसके बाद कन्या भोजन कार्यक्रम आयोजित किया गया था उन्होंने कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजन कही भी हो प्रयास रहता है कि ऐसे कार्यक्रमों में उनकी सह भागिता जरूर रहे और वह तैयार भी रहते है इस अवसर पर राजेंद्र प्रसाद निरंजन राजेश बापू नगर पालिका परिषद कोंच के युवा सभासद और एमएलसी रमा आरपी निरंजन के अत्यंत करीबी शादाब अंसारी महेंद्र पटेल मिस्टर धनोरा गांव के प्रधान मुलायम सिंह कुशवाहा सत्येंद्र सिंह गुर्जर दिक्कू रबा छत्रपाल पुजारी दिलीप प्रजापति अजय पटेल रिंकू जसराम मुखिया कुशवाहा अर्जुन कुशवाहा शिव नारायण आचार्य राजीव निरंजन वर्द रामू मनोज झा अभिषेक परिहार करणी सेना धर्मेंद्र निरंजन राम शंकर छानी रामू प्रजापति बीरेंद्र कोटेदार अंकित प्रजापति हमीर सिंह परिहार श्री कांत निरंजन लाले लालजी राम राजा पटेल राज यज्ञिक सहित तमाम लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे

संक्षिप्त समाचार

अगले 40 दिन में 20 से ज्यादा प्रतियोगी व एकेडमिक परीक्षाएं, पांच लाख अभ्यर्थी आएंगे बनारस

वाराणसी में स्कूल-कॉलेजों में शिक्षक भर्ती, असिस्टेंट प्रोफेसर, सीए, सीटीईटी सहित यूपी एसआई की परीक्षाएं होंगी। ऐसे में अगले 40 दिन में 20 से ज्यादा प्रतियोगी-एकेडमिक परीक्षाएं होंगी। वाराणसी में अगले दो महीने 20 से ज्यादा प्रतियोगी और एकेडमिक परीक्षाएं होंगी। इसमें करीब पांच लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों के आने का अनुमान है। एसएससी, यूपीपीएससी, यूपीएसएसएसई, सीटीईटी सहित स्कूल-कॉलेजों में शिक्षक भर्ती जैसी परीक्षाएं होंगी। वहीं बीएचयू और काशी विद्यापीठ की सेमेस्टर परीक्षाओं के साथ ही प्रैक्टिकल भी होंगे। इसी बीच बोर्ड की भी परीक्षाएं करा ली जाएंगी। वहीं प्रवेश परीक्षाएं मई में सीयूईटी के तहत होंगी और उसी समय यूपीएससी की प्री की परीक्षाएं होने वाली हैं। यूपी बोर्ड में 24 जनवरी से नौ फरवरी तक प्रयोगात्मक परीक्षाएं होंगी। यूपी पुलिस एसआई के लिए 14 और 15 मार्च को परीक्षाएं प्रस्तावित हैं।10 और 11 जनवरी को केंद्रीय विद्यालयों के अलग-अलग पदों पर भर्ती के लिए आवेदक परीक्षाएं देंगे। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित होने वाली एलटी ग्रेड (सहायक अध्यापक) की प्रारंभिक परीक्षा 17 और 18 जनवरी को होगी।लोक सेवा आयोग की ओर असिस्टेंट प्रोफेसर की लिखित परीक्षा 17 जनवरी से लेकर 25 जनवरी तक दो पालियों में होगी। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से हेल्थ वर्कर की मुख्य परीक्षा 11 जनवरी को होगी। स्टेनोग्राफर की मुख्य परीक्षा 18 जनवरी और जूनियर असिस्टेंट की मुख्य परीक्षा एक फरवरी को होगी। छह दिन चलेगी सीए फाउंडेशन की परीक्षा- चार्टेड अकाउंटेंट की फाउंडेशन परीक्षाएं 18 जनवरी से 24 जनवरी तक कुल छह दिनों तक कराई जाएंगी। एसएससी की कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल (सीजीएल) 2 की मुख्य परीक्षा 18 और 19 जनवरी को आयोजित होगी। एसएससी एमटीएस और हवलदार की परीक्षा चार फरवरी से शुरू हो सकती है। वहीं सीबीएसई की ओर से सीटीईटी (सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट) की परीक्षाएं वाराणसी सहित पूरे देश में एक साथ कराईं जाएंगी।विद्यापीठ और बीएचयू में 21 से 24 तक परीक्षा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में यूजीसी नेट परीक्षा के कारण बीएड तीसरे सेमेस्टर की जो परीक्षा 6 जनवरी को होनी थी, जिसे यूजीसी नेट परीक्षा के चलते टालकर 21 जनवरी (दोपहर 1 से 4 बजे) कर दिया गया। बीएचयू की सेमेस्टर परीक्षाओं का दौर 24 जनवरी तक चलेगा। इसमें पहले सेमेस्टर के छात्र और छात्रा परीक्षा दे रहे हैं।

बरेली की सीमा में बनाया जाएगा बाइपास, जनवरी के अंत में शुरू हो सकता है निर्माण

बरेली-मथुरा नेशनल हाईवे पर चौथे फेज में बरेली-बदायूं के बीच निर्माण कार्य हो रहा है। इस हाईवे पर बरेली की सीमा में बाइपास का निर्माण भी किया जाएगा। जनवरी के अंत में निर्माण कार्य शुरू हो की सीमा में चार किलोमीटर के बाइपास का पांच किलोमीटर के बाइपास का निर्माण शुरू तक 29 किमी लंबी रिंग रोड के निर्माण के तेज हो गई है। रिंग रोड के लिए 32 में से चुका है।एनएचएआई के परियोजना निदेशक भी 50 फीसदी से ज्यादा अधिग्रहण हो स्थानों पर समतलीकरण शुरू कर दिया है। होंगे। इस पर दो फ्लाईओवर, तीन इंटरचेंज

सकता है। बरेली-मथुरा नेशनल हाईवे पर बरेली निर्माण कराया जाएगा। देवचरा-भमोरा के बीच हो गया है। दूसरी ओर, झुमका तिराहे से रजऊ लिए तीन गांवों में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया 29 गांवों में भूमि अधिग्रहण पहले ही पूरा हो अश्वनी चौहान ने बताया कि इन तीन गांवों में चुका है। कार्यदायी फर्म ने साइट बनाकर कई रिंग रोड के निर्माण पर 995 करोड़ रुपये खर्च के अलावा 10 एप्रोच रोड भी बनाई जाएंगी। पेड़ों की कटान शुरू हो गई है। रिंग रोड से दिल्ली-लखनऊ, बरेली-नैनीताल और बरेली-पीलीभीत, बरेली-सितारगंज हाईवे को कनेक्ट किया जाएगा।इधर, बरेली-मथुरा नेशनल हाईवे पर चौथे फेज में बरेली-बदायूं के बीच निर्माण तेज हो गया है। जनवरी के अंत तक बरेली में बाइपास निर्माण शुरू हो जाएगा। परियोजना निदेशक उत्कर्ष शुक्ला ने बताया कि बरेली-बदायूं के बीच पेड़ों की कटान हो चुकी है। वर्ष 2027 से पहले काम पूरा करना है। छह लेन के हाईवे पर शहर की सीमा में महेशपुरा, करगैना के बीच बनने वाले बाइपास के लिए भी जल्द काम शुरू हो जाएगा। चौपुला पुल पर 15 दिन रहेगा ब्लॉक- चौपुला पुल की मरम्मत के लिए एनएचएआई 15 दिन का ब्लॉक लेगा। इस दौरान चौपुला पुल पर भारी वाहनों का आवागमन बंद कर दिया जाएगा। परियोजना निदेशक उत्कर्ष शुक्ला ने बताया कि पुल की मरम्मत के लिए कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। प्रशासन से डायवर्जन मांगा गया है। डायवर्जन मिलने के बाद काम शुरू करा दिया जाएगा।

दादरी पुलिस और 25-25 हजार के इनामी बदमाशो के बीच हुई मुठभेड़

क्यूँ न लिखूँ सच/संवाददाता सोनू /गौतम बुद्ध नगर /ग्रेटर नोएडा- थाना दादरी पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना की सहायता से हत्या के अभियोग मे वांछित 25-25 हजार के इनामी अभियुक्त 1. अनुज पुत्र कंवल सिंह निवासी ग्राम चक्रसेनपुर, थाना दादरी, गौतम बुद्ध नगर 2. सक्षम शर्मा उर्फ ऋषभ शर्मा पुत्र स्व: दिनेश निवासी ग्राम ऊँचा हमीरपुर, थाना जारचा,गौतम बुद्ध नगर को मुठभेड़ के दौरान जारचा की और जाने वाले रास्ते से गिरफतार किया गया है 7अभियुक्तो के कब्जे से 01-01 से 01-01 तमंचा मय 01-01 खोखा कारतूस, 01-01 जिंदा कारतूस व 01 मोटर साइकिल बरामद की गयी है 7 दोनो घायल अभियुक्तो को उपचार हेतु अस्पताल मे भर्ती कराया गया है 7

घटना का संक्षिप्त विवरण- थाना दादरी क्षेत्रांतर्गत ग्राम कैमराला मे अभियुक्तो द्वारा मारपीट कर एक युवक की हत्या कारित की गयी थी 7 जिसके संबंध मे थाना दादरी पर अभियोग पंजीकृत किया गया था 7 अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु 25000-25000 रूपये का इनाम घोषित किया गया था

गवर्नर के फैसले पर प्रियंक खरगे ने कहा- स्पष्टीकरण देंगे; वीबी जी-राम-जी बिल को बताया असंवैधानिक

कर्नाटक मंत्री प्रियंक खड़गे ने बिदर में गवर्नर द्वारा लौटाए गए विधेयकों, भाषा नीति और वीबी जी-राम-जी बिल पर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह बिल संविधान के अनुच्छेद 21 के खिलाफ है।कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने राज्यपाल द्वारा लौटाए गए विधेयकों, भाषा नीति और केंद्र सरकार के प्रस्तावित वीबी जी-राम-जी बिल को लेकर तीखा रुख अपनाया है। बिदर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने साफ कहा कि राज्य सरकार राज्यपाल द्वारा उठाए गए सवालों पर सभी जरूरी स्पष्टीकरण देगी।प्रियंक खरगे ने कहा कि अगर राज्यपाल ने विधेयक केवल भाजपा के दबाव में लौटाए हैं, तो सरकार आगे की रणनीति पर विचार करेगी। उन्होंने कहा अगर गवर्नर को विधानसभा से पारित बिलों पर किसी तरह की स्पष्टता चाहिए, तो हम हर बिंदु पर जवाब देने को तैयार हैं।भाषा के नाम पर जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए कासरगोड को लेकर भाषा विवाद पर प्रियंक खरगे ने कहा कि राज्यों का गठन भाषा के आधार पर किया गया था। उन्होंने कहा कासरगोड में 90 प्रतिशत से अधिक लोग कन्नड़ बोलते हैं। भाषा को बढ़ावा देना गलत नहीं है, लेकिन उसे थोपना भी सही नहीं है।VB-G-RAM-G बिल पर केंद्र पर हमला वीबी जी-राम-जी बिल को लेकर आयोजित कर्नाटक के विशेष सत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंक खरगे ने इस विधेयक को संविधान के अनुच्छेद 21 के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि यह बिल लोगों से काम करने और आजीविका का अधिकार छीन रहा है। खरगे ने आरोप लगाया कि यह विधेयक न सिर्फ मनरेगा (MGNREGA) जैसी योजनाओं को कमजोर करता है, नुकसान पहुंचाता है, जहां राज्यों और पंचायतों से परामर्श जरूरी होता है।

कपसाड़ में कड़ा पहरा: गांव सील-अटेरना पुल पर बैरिकेडिंग, मीडिया और नेताओं की एंट्री बंद, टोल पर रोके सपा नेता

सरधना के कपसाड़ गांव में दलित महिला की हत्या और बेटी के अपहरण के बाद हालात तनावपूर्ण। सांसद चंद्रशेखर के दौरे की सूचना पर प्रशासन अलर्ट, गांव पूरी तरह सील। सपा नेताओं को काशी टोल पर रोका।मेरठ से सटे सरधना थाना की हत्या और उनकी बेटी रूबी के हुए हैं। गांव कपसाड़ में कानून-व्यवस्था नगीना सांसद चंद्रशेखर रावण के गांव व्यवस्था और कड़ी कर दी है। एसपी पुल पर बैरिकेडिंग कर दी गई है साथ है। वहीं कपसाड़ जा रहे सपा नेताओं को पुल पर बैरिकेडिंग, वाहनों की आवाजाही सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही कड़ी नाकेबंदी की गई है। किसी भी नहीं दी जा रही है।मीडिया कर्मियों की हुए पुलिस ने मीडिया कर्मियों को भी अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल प्रतिनिधि को गांव के भीतर जाने की को पहचान सत्यापन के बाद आने-जाने माहौल-गौरतलब है कि दो दिन पहले

क्षेत्र के कपसाड़ गांव में दलित महिला सुनीता अपहरण के बाद हालात बेहद संवेदनशील बने बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है पहुंचने की सूचना के बाद पुलिस ने सुरक्षा देहात स्वयं मौके पर डेरा डाले हुए हैं। अटेरना ही भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया भी काशी टोल प्लाजा पर रोक दिया गया।अटेरना बंद पुलिस ने अटेरना पुल पर बैरिकेडिंग कर रोक दी है। गांव में जाने वाले सभी रास्तों पर बाहरी व्यक्ति को गांव में प्रवेश की अनुमति भी एंट्री बंद- संवेदनशील हालात को देखते गांव में प्रवेश से रोक दिया है। पुलिस किसी भी राजनीतिक कार्यकर्ता या मीडिया अनुमति नहीं दी जाएगी। केवल स्थानीय ग्रामीणों दिया जा रहा है।हत्या व अपहरण के बाद तनावपूर्ण कपसाड़ गांव में अनुसूचित जाति की युवती रूबी का अपहरण कर लिया गया था। अपहरण का विरोध करने पर उसकी मां सुनीता की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस जघन्य घटना के बाद से गांव में लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई है।राजनीतिक गतिविधियों को लेकर पुलिस सतर्क घटना के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के गांव पहुंचने की संभावनाओं को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। इसी क्रम में सपा के महिला प्रतिनिधिमंडल को भी पुलिस ने रास्ते में रोक दिया।सपा महिला प्रतिनिधिमंडल रोका गया सपा महिला जिला अध्यक्ष मृदुला यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष इशार जहां, नजमा महारगर अध्यक्ष, सांसद सुमन लाल, राजलक्ष्मी सहित अन्य सपा कार्यकर्ताओं को काशी टोल पर एसपी ट्रैफिक ने रोक लिया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि हालात सामान्य होने तक किसी भी राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल को गांव में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।आरोपियों की तलाश जारी- पुलिस ने हत्या और अपहरण के मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। लगातार दबिशें दी जा रही हैं और प्रशासन का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करना हुए आसान, खाटू श्याम मंदिर की तर्ज पर हुई ये नई व्यवस्था

वृंदावन के बांकेबिहारी मंदिर में भक्तों की भीड़ को देखते हुए दर्शन की नई व्यवस्था की गई है। इस नई व्यवस्था से मंदिर में भक्तों को बांके बिहारी के दर्शन बेहद ही सुगमता के साथ हुए।श्री बांकेबिहारी मंदिर में मेरठ की एजेंसी ने प्रवेश द्वार कार्य शुरू कर दिया है। मंदिर में मेरठ बृहस्पतिवार को रातभर रेलिंग लगाने प्रवेश द्वार तीन से लेकर मंदिर के पीछे चौक के ढलान तक रेलिंग लगाई गई। मंदिर की तर्ज पर लगाई गई रेलिंग में तक पहुंचे श्रद्धालुओं ने नई व्यवस्था को श्री बांकेबिहारी मंदिर में सुबह से वाले श्रद्धालु नई रेलिंग व्यवस्था से पहुंचे। प्रवेश द्वार तीन से मंदिर के चौक तक तीन रेलिंग लगाई गईं। इन मंदिर के मुख्य चौक तक पहुंचे और साथ दर्शन किए। मंदिर में आ रही देखते हुए मेरठ की कार्यदायी संस्था कर्मचारी रात के समय रेलिंग लगाने बांकेबिहारी मंदिर हाई पावर्ड प्रबंध लगाने का कार्य किया जा रहा है।

तीन से रेलिंग लगाने का की कार्यदायी संस्था द्वारा का कार्य किया गया। के चौक से होकर मुख्य शनिवार को खाटू श्याम से होकर मंदिर के चौक की सराहना की।शनिवार ही गेट तीन से प्रवेश करने होकर मंदिर के चौक तक पीछे के चौक व मुख्य रेलिंग में होकर श्रद्धालु ठाकुरजी के सुगमता के श्रद्धालुओं की भीड़ को कनिका कंस्ट्रक्शन के का कार्य कर रहे हैं।श्री कमेटी के निर्देश पर रेलिंग कंपनी के छह कर्मचारी इस कार्य में लगे हुए हैं। सोमवार रात को आई टीम ने कमेटी द्वारा तैयार नक्शे के अनुसार रेलिंग लगाने से पहले नाप जोख कर निशान लगाए। उसके बाद मेरठ से आई स्टील की रेलिंग को लगाने का कार्य शुरु कर दिया गया। कंपनी के सुपरवाइजर प्रिंस ने बताया कि मंदिर में लगभग 2500 मीटर स्टील की रेलिंग लगाई जाएगी। मंदिर के प्रवेश द्वार दो से एवं प्रवेश द्वार तीन से तीन-तीन रेलिंग लगाई जाएंगी। जो कि निकास द्वार संख्या एक और चार तक लगेंगी। जबकि प्रवेश द्वार पांच से निकास द्वार चार तक दो रेलिंग लगाई जाएंगी। इसमें एक वीआईपी के लिए होगी। वीआईपी गेट पांच से रेलिंग में प्रवेश कर सीधे वीआईपी कठघरा तक पहुंच सकेंगे। प्रवेश द्वार से निकास द्वार तक सभी रेलिंग में पांच-पांच गेट बनाए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर एक रेलिंग से दूसरी रेलिंग में जाया जा सके। मंदिर में रेलिंग व्यवस्था से दर्शन होंगे सुगम नहीं खाने होंगे धक्के- 1- गाजियाबाद निवासी पूनम ने बताया कि ठाकुरजी के दर्शन के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु आते हैं। इसे देखते हुए अन्य देश के मुख्य मंदिरों की तरह यहां भी बहुत पहले ही रेलिंग लग जानी चाहिए थी। इससे अब आस्था लेकर आने वाले भक्तों को चौतरफा धक्के खाने को नहीं मिलेंगे। 2- नोएडा से आए राजू का कहना है कि मंदिर में रेलिंग लगने से श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन हो सकेंगे। अब बुजुर्ग भी सीधे रेलिंग में चलकर सिर्फ ठाकुरजी के दर्शन कर सकेंगे, लेकिन माला प्रसाद चढ़ाने में दिक्कत आ सकती है। इसके लिए भी मंदिर प्रबंधन को व्यवस्था करनी चाहिए। 3- दिल्ली के नरेश बंसल ने बताया कि जो लोग यहां अनावश्यक भीड़ लगाते थे, रेलिंग लगने से अब वह भीड़ नहीं लगेगी। दर्शन जल्द और सुगमता के साथ होंगे। यह व्यवस्था मंदिर के बाहरी तरफ भी होनी चाहिए। 4- दिल्ली से प्रखर का कहना है कि मंदिर में लगी रेलिंग से मैं और मेरा परिवार गेट से लेकर चौक तक सहज आ गया। किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। यह अच्छी व्यवस्था है

संक्षिप्त समाचार

युवाओं के शिक्षण कार्य में स्मार्टफोन महत्वपूर्ण हिस्सा

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। शिक्षा में तेजी से बढ़ रही उन्नत तकनीकी के इस दौर में स्मार्टफोन छात्रों की अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है इन बातो को ध्यान में रखते हुए भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने आज रियलमी 16 प्रो सीरीज़ पेश की इस सीरीज़ के साथ ही प्रीमियम मिड-रेंज सेगमेंट में कंपनी की स्थिति मजबूत हुई है। फ्लैगशिप ग्रेड के रियलमी 16 प्रो+ और किफायती ऑल-राउंडर, रियलमी 16 प्रो+ के साथ यह सीरीज़ परफॉर्मेंस और डिज़ाइन के नए मानक स्थापित कर रही है। इसमें पोर्ट्रेट इमेजिंग का स्तर बहुत अधिक बढ़ा दिया गया है रियलमी 16 प्रो+में है 3.5 एक्स पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस के साथ 200 मेगापिक्सल का ल्युमाकलर पोर्ट्रेट

कैमरा, स्नैपड्रैगन 7 जेन 4 चिपसेट, 7000 एम.ए.एच की टाईटन बैटरी, और नाओतो फुकासावा के साथ मिलकर निर्मित अर्बन वाईल्ड डिजाईन। यह स्मार्टफोन 35,999 रुपये के शुरुआती मूल्य में 8 जीबी +128 जीबी, 8 जीबी+256 जीबी और 12 जीबी +256 जीबी वैरिएंट्स में उपलब्ध होगा। रियलमी 16 प्रो में 200 मेगापिक्सल का ल्युमाकलर पोर्ट्रेट कैमरा, मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300-मैक्स 5 जी चिपसेट, 7000 एम.ए.एच की शक्तिशाली बैटरी और प्रीमियम अर्बन वाईल्ड डिज़ाइन है। यह स्मार्टफोन 28,999 रुपये के शुरुआती मूल्य में 8 जीबी +128जीबी, 8जीबी +256 जीबी और 12 जीबी+256 जीबी वैरिएंट्स में उपलब्ध होगा।

इंडो-नेपाल सीमा पर पुलिस-एसएसबी ने की पैदल गश्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती- पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में जनपद श्रावस्ती की इंडो-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी व सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस एवं सीमा सुरक्षा बल द्वारा निरंतर संयुक्त निगरानी एवं गश्त अभियान संचालित किया जा रहा है।

इसी क्रम में थाना मल्हीपुर क्षेत्र अंतर्गत चौकी जमुनहा प्रभारी द्वारा मय पुलिस टीम एवं सीमा सुरक्षा बल के साथ सीमावर्ती क्षेत्र तिकोनिया मोड़ पर संयुक्त पैदल गश्त की गई। गश्त के दौरान सीमा क्षेत्र में आवागमन करने वाले व्यक्तियों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए संदिग्ध गतिविधियों की गहन निगरानी की गई तथा सीमा सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। संयुक्त पैदल गश्त का मुख्य उद्देश्य सीमा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना तथा किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधियों पर समय रहते प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करना है। श्रावस्ती पुलिस ने लोगो से अपील कर कहा है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति गतिविधि अथवा वस्तु की जानकारी तत्काल नजदीकी पुलिस इकाई अथवा डायल 112 पर दें जिससे शीघ्र आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

इकौना-धनुही मार्ग पर ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी:विद्युत पोल टूटा, बड़ा हादसा टला, कोई जनहानि नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जनपद के इकौना थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। यह घटना इकौना-धनुही मार्ग पर कंजड़वा गांव के पास हुई। हादसे में एक विद्युत पोल टूट गया, हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर ट्रॉली शटरिंग का सामान लादकर जा रही थी। सड़क पर चढ़ते समय वह अचानक अनियंत्रित हो गई और पलट गई। पलटने के बाद ट्रॉली सड़क किनारे लगे एक विद्युत पोल से टकरा गई, जिससे पोल टूटकर गिर गया। घटना के समय पास की दुकान पर बैठे लोग सुरक्षित बच गए। इस घटना के कारण कुछ देर के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और विद्युत विभाग को सूचना दी। ग्रामीणों की मदद से ट्रैक्टर ट्रॉली को सड़क से हटाया गया। विद्युत पोल टूटने के कारण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Is your partner hiding something? These 4 unintentional actions will reveal everything.

The foundation of a strong relationship rests on trust and honesty, but when lies start to creep in, the foundation begins to shake. We often have unwavering faith in our partner, but some small signs can reveal the truth. Let's explore these 4 or hiding something. Trust and honesty are essential in hints can help you uncover your partner's hidden but trust and honesty are equally important. When this the relationship begins to shake. This can sometimes even much that they even believe their lies, but this trust can or a hidden secret, but sometimes small hints can clearly So today, we're going to tell you about some signs that truth or trying to hide something. Let's learn more about truth. When someone lies, they feel uncomfortable contact, or staring are all ways to identify if your partner that not always making eye contact means they are lying; Hesitation - Often, when lying, people are unable to For example, when you ask a question, they may for a long time. On the other hand, people who tell the don't see the truth in your partner's words, then someone lies, there is definitely a change in his voice. in tone, or a habit of speaking fast is often seen. If you that he is hiding something from you. Avoiding direct questions. This is the easiest way to hide the truth.

signs that indicate whether your partner is telling the truth a relationship. Tips for catching your partner's lies - these secrets. Relationships aren't just built on love and affection, trust gradually becomes tainted by lies, the foundation of lead to a breakdown. Many people trust their partners so lead to serious problems later on. It's not easy to spot a lie indicate that your partner is not being completely truthful. can help you identify whether your partner is telling the them. Not making eye contact - Eyes are often a mirror of making eye contact. Frequent blinking, avoiding eye is not being completely truthful. However, keep in mind sometimes it can be due to embarrassment or stress. express their thoughts clearly. They may even stumble. suddenly change the topic or think about their answer truth answer confidently and without hesitation. If you understand that he is lying. Change in voice - Whenever While lying, a slight tremor in the voice, a sudden change notice these things in your partner too, then it is possible questions - When lying, people often avoid answering When you ask a question on an issue and he repeatedly gives a roundabout answer or changes the topic, then understand that something is being hidden.

Daylight is a boon for diabetics, a new scientific method for controlling sugar.

Diabetes patients often pay close attention to their diet and medications, but did you know that daylight can also work just as well as medicine in controlling sugar? Yes, a recent study has proven that natural light is extremely metabolism and circadian rhythms, Study confirms benefits for type 2 in many ways. It improves vitamin D body's internal clock), which helps control fat oxidation (fat burning), which improves also strengthening mood and the immune improves health, helping people with type Researchers from the University of University in the Netherlands found that that remained within the normal range for Beneficial effects of natural light: hormone, were slightly higher in the improved. The study, published in the of the beneficial effects of natural light on many years that disruptions in circadian metabolic disorders, which are affecting Charna Dibner, Associate Professor at the team recruited 13 people aged 65 and specially designed living spaces illuminated

beneficial for diabetics. Natural light improves stabilizes blood sugar, and increases insulin sensitivity. diabetics. Natural daylight is beneficial for diabetics production, metabolism, and circadian rhythms (the blood sugar, increases insulin sensitivity, and increases overall sugar balance and energy metabolism, while system. According to a study, exposure to daylight 2 diabetes achieve better glycemic control. Geneva (UNIGE) in Switzerland and Maastricht people exposed to natural light had blood sugar levels more hours of the day and had fewer fluctuations. Furthermore, their melatonin levels, the sleep evening, and fat oxidative metabolism was also journal Cell Metabolism, provides the first evidence people with this condition. "It has been known for rhythms play a major role in the development of a growing proportion of the Western population," said UNIGE. Study on 13 people over 65 - For the study, older, all with type 2 diabetes. They spent 4.5 days in either by natural light through large windows or by artificial light. After a minimum four-week break, they returned for a second session, this time in a different lighting environment. Analysis showed positive changes - To better understand the positive changes observed in the body's metabolism, the scientists took blood and muscle samples from the subjects before, during, and after each light treatment. They analyzed blood lipids, metabolites, and gene transcripts, along with the regulation of molecular clocks in cultured skeletal muscle cells. Overall, the results clearly indicate that natural light influences the internal clock and metabolism. "This may be due to improved blood sugar regulation and better coordination between the central clock in the brain and the clocks in the organs," Dibner said.

Ready for a new partner before the breakup? Beware of this 'monkey-baiting' dating trend, or you'll be heartbroken.

Monkey-baiting is a toxic form of dating in which people stay with one partner until they find another. During this time, they neither break up nor fully commit to the relationship. It has many disadvantages and risks. of loneliness. This toxic practice communication and letting go of the to the branch while jumping from in the dating world, people don't let fear of being single. Monkey-baiting for a new partner while still in their might be? We'll learn in this article. partner who is honestly maintaining unaware of it. They don't know that are with them. This is painful and situations where Monkey Bearing engaging in Monkey Bearing, ask have a habit of depending on others? single? If you learn to be single, you rushing into a relationship. Improve up, state your point directly and relationship anymore and you are

Monkey-baiting: Searching for a new partner out of fear leads to betrayal and pain in relationships. Honest fear of being single. Just as monkeys in the jungle hold on one branch to another to prevent themselves from falling, go of their first partner until they find a new partner out of is a toxic form of dating where people continue to search current relationship. Is this cheating and what its dangers Why is Monkey Bearing so toxic? In this situation, the the relationship, investing their emotions and time, is their partner is dreaming of someone else even while they manipulative. Many people fall victim to cheating in occurs. Here's how to avoid it: Ask yourself: If you're yourself honestly. Are you afraid of being alone? Do you Are you afraid of facing the truth? What's wrong with being won't need to make backup plans. Think carefully before communication: Instead of using evasive language to break honestly. Tell your partner that you cannot stay in this looking for someone else. There are dangers of Monkey Bearing as well. Your chances of dating decrease because no one wants to be the villain of a breakup. Neither does he want to take the blame of the breakup on himself. If someone comes to know about your Monkey Bearing dating style, he will hesitate in getting involved with you. It will be difficult to trust you, because the same betrayal can happen to him too. Before getting into another relationship, you do not have time to think about what were the reasons for the breakup of the previous relationship. Neither are you able to think about improving it.

''Dhurandhar's game is over, Prabhas's film performs brilliantly on opening day

Prabhas's much-awaited film ''The Raja Saab'' has been released. The film has gotten a good start at the box office. It's expected that the opening collection will be significantly lower than

the opening collections of ''Salaar'' and ''Kalki 2898 collection? Prabhas's year's most anticipated dubbed and released in The film has received still had a good opening at opening day collection? ''Salaar'' and ''Kalki 2898 available on SciFi. The film (approximately $30.42 advance bookings of 9.15 collection has reached shows attract a good the opening day collection collected 28 crore rupees from other films - other films, Raja Saab's Prabhas' previous films, rupees, and 'Kalki 2898 'Adipurush' opened with badly. This gives Prabhas

Prabhas' previous films like AD.'' Know the opening day ''The Raja Saab'' is one of this films. It's a Telugu film and has been several languages, including Hindi. mostly negative reviews, but it has the box office. What was the Prabhas was previously seen in AD.'' Early trends are also has so far collected ?30.42 crore billion). According to this, with crore rupees, the film's total 39.57 crore rupees. If the night crowd, Raja Saab will easily surpass of Dhurandhar. Dhurandhar on its first day. Poor performance Although compared to Prabhas' collection is still low. Regarding his film 'Salaar' earned 90 crore AD' earned 95 crore rupees. Even 86 crore rupees but later flopped reason to be disappointed. Which

actors are seen - Directed by Maruthi, 'The Raja Saab' marks Prabhas's return to the family entertainment genre after years. After the Baahubali series, all of Prabhas' films were large-scale action films. Fans say The Raja Saab is the return of 'vintage Prabhas.' The film also stars Sanjay Dutt, Malavika Mohanan, Nidhi Agerwal, Riddhi Kumar, Boman Irani and Zarina Wahab.

Why did Hollywood couple Nicole Kidman and Keith Urban divorce? They ended their relationship after 19 years.

Famous Hollywood couple Nicole Kidman and Keith Urban are now separated forever. After 19 years of marriage, the couple has divorced. Why did they divorce, and who got custody of

their daughters? Learn all the Keith's love blossomed in two daughters - Nicole filed for actress Nicole Kidman and one of the most loving couples decade relationship has now months after filing for divorce. Urban has been rumored for that Nicole had filed for shock to their fans. Now, the separation. Nicole and Keith's reports, Nicole Kidman and January 6, 2026. The two are Tuesday, a judge in Nashville, and Keith's 19-year marriage. news of Nicole and Keith's some are perplexed as to why reports, the couple's differences. Their divorce irreconcilable differences in children? Nicole and Keith their teens. The plan they children's primary residential Nashville, as they have been

details related to the divorce. Nicole and 2005. Nicole Kidman and Keith Urban have divorce in September 2025. Oscar-winning Grammy-winning singer Keith Urban were in the glamour world. However, their two-ended forever. The couple has separated four The separation of Nicole Kidman and Keith months. Back in September, news broke divorce from Keith. This news came as a new year began with news of their divorce after 19 years - According to media Keith Urban's divorce was finalized on no longer officially husband and wife. On Tennessee, ordered the dissolution of Nicole Why did Nicole and Keith separate?The divorce has shocked their fans. However, their relationship ended. According to separation was due to irreconcilable filing stated that there were problems and their marriage. Who got custody of Nicole's have two daughters who are currently in signed states that the actress will be the parent. It suggests they will remain in their entire lives. The filing states that neither

parent will be required to pay child or partner support, and it describes a roughly equal division of their joint property. Tom Cruise was Nicole's first husband. It should be noted that Nicole Kidman's marriage to Keith Urban was her second. Previously, the actress was married to actor Tom Cruise. Their 11-year relationship ended in 2001. She became engaged to Keith in 2005 and married in 2006.

This time, MasterChef's theme will be different. When and where can you watch India's biggest cooking show?

Food lovers have a great time celebrating, as MasterChef India has finally returned with Season 9. Read about the show's theme, judges, and timing. MasterChef India returns with Season

9. When and where to watch the cooking you are a food lover and a fan of India's for you as it is returning with its 9th season. Who are the judges this season? - MasterChef much-loved judging panel is back this season. Brar are set to return as judges. What is the as it will feature exclusively Indian cuisine. before the judges. This time, the show's theme Indian cuisines, while highlighting the will it air? MasterChef India Season 9 After a long wait, this popular cooking reality talent and emotion. Two promos showcased in-law duo from Jhansi who prepared a mother-in-law and daughter-in-law pairs are combination was something different. The

show? - MasterChef's theme will be different this time - If famous cooking show, MasterChef, then there is good news Let's find out everything about the show's theme and timing. India 9 has already generated a lot of excitement, as the Chef Vikas Khanna, Chef Kunal Kapoor, and Chef Ranveer show's theme? You'll be delighted to hear the show's theme, Dishes from various states and regions of India will be served is ''Pride of India.'' Audiences will learn about various strengths of Indian food abroad. When, where, and when premieres on Sony Entertainment Television on January 5th. show is set to return with a brand-new season filled with the contestants. One featured a father-in-law and daughter-Bundelkhandi thali. The judges were surprised because common, but the father-in-law and daughter-in-law daughter-in-law explained that after marriage, she learned

to cook from her father-in-law by watching him work in the kitchen. Another promo featured a sister-in-law and sister-in-law pair, who impressed the judges with their coordination and flavor. Both promos hint that some unique family pairs will compete this season.